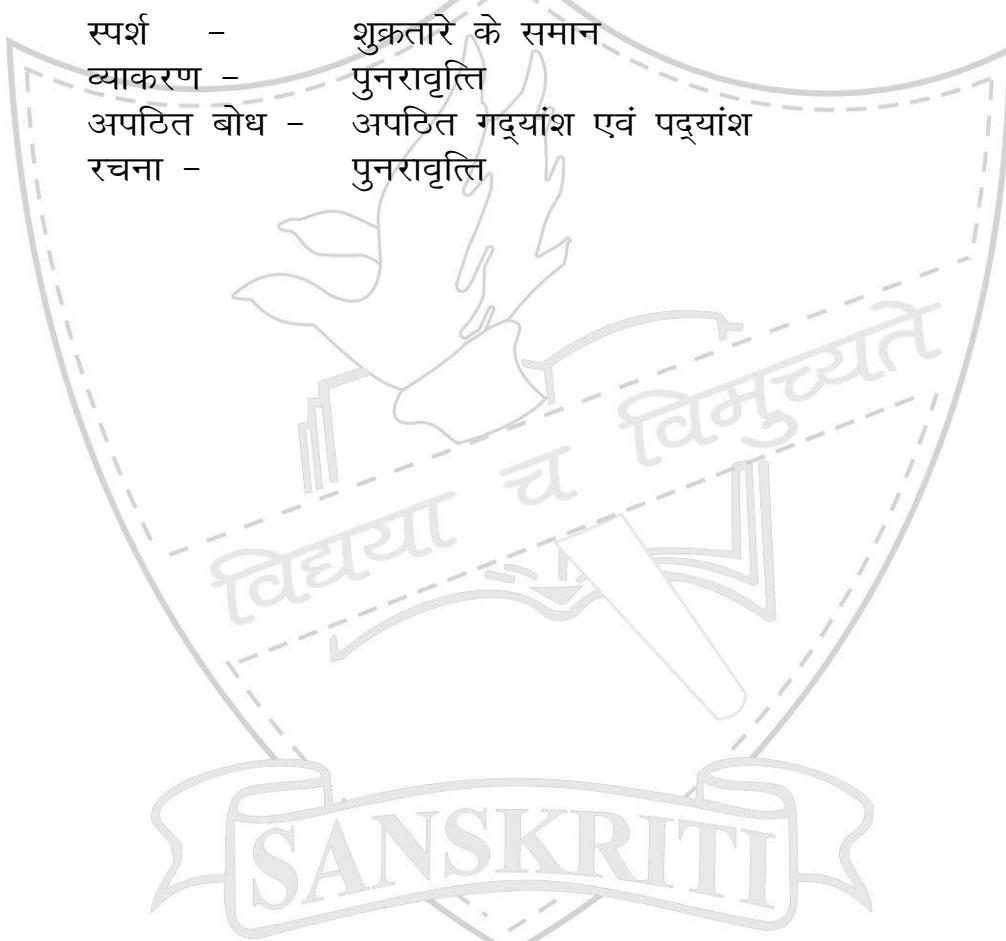


## मासिक पाठ्यक्रम

पाठ्य पुस्तकें  
स्पर्श भाग १  
संचयन भाग १  
व्याकरण दर्शिका

अप्रैल-मई	स्पर्श	-	दुख का अधिकार रहीम के दोहे
जुलाई	संचयन	-	गिल्लू
	व्याकरण	-	वर्ण-विचार, उपसर्ग-प्रत्यय
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	अनुच्छेद-लेखन एवं संवाद-लेखन
	स्पर्श	-	एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा आदमीनामा
अगस्त	संचयन	-	स्मृति
	व्याकरण	-	मुहावरे
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	अनौपचारिक पत्र-लेखन
	स्पर्श	-	तुम कब जाओगे अतिथि रैदास के पद
सितंबर	व्याकरण	-	संधि, विराम-चिह्न
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	चित्र-वर्णन एवं विज्ञापन
	स्पर्श	-	धर्म की आड़
अक्टूबर	व्याकरण	-	अशुद्धि-शोधन
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	पुनरावृत्ति
	स्पर्श	-	एक फूल की चाह
नवंबर	संचयन	-	हामिद खाँ
	व्याकरण	-	वाक्य (रचना के आधार पर)
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	विज्ञापन
	स्पर्श	-	कीचड़ का काव्य अग्निपथ
	व्याकरण	-	समास
	अपठित बोध	-	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना	-	अनुच्छेद-लेखन एवं संवाद-लेखन

दिसंबर	स्पर्श -	अरुण कमल
	व्याकरण -	वाक्य
	अपठित बोध -	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना -	पत्र-लेखन
जनवरी	संचयन -	दिए जल उठे
	व्याकरण -	अशुद्धि-शोधन
	अपठित बोध -	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना -	चित्र-वर्णन
फरवरी	स्पर्श -	शुक्रतारे के समान
	व्याकरण -	पुनरावृत्ति
	अपठित बोध -	अपठित गद्यांश एवं पद्यांश
	रचना -	पुनरावृत्ति



## विषय-सूची

क्रम सं०	विषय	पृष्ठ सं०
1.	अपठित बोध	5-20
2.	वर्ण-विचार	21-33
3.	विलोम शब्द	34-40
4.	उपसर्ग-प्रत्यय	41-50
5.	संधि	51-58
6.	शब्द और पद	59-60
7.	समास	61-66
8.	अशुद्धि-शोधन	67-68
9.	वाक्य	69-71
10.	स्पर्श (गद्य पाठ)	72-83
11.	स्पर्श (पद्य पाठ)	94-55
12.	संचयन	96-99
13.	पत्र-लेखन	101-103
14.	अनुच्छेद-लेखन	104-107
15.	संवाद-लेखन	108-111
16.	विज्ञापन-लेखन	112-113
17.	चित्र-वर्णन	114-117
18.	प्रश्न-पत्र	118-149

## अपठित बोध

**प्रश्न** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिएः-

I

‘साँच बराबर तप नहीं’ सूक्ति में सत्य की महत्ता को स्वीकारा गया है। सच के मार्ग पर चलना अपने-आप में तप है। तप का अर्थ है ‘तपना’। सच का मार्ग सदैव कंटीला होता है, कठिन होता है। तप करने की ताकत रखने वाला ही इस पर चल सकता है। तप वही कर सकता है जिसका हृदय साफ़, निष्पाप व एकाग्रचित्त हो। ‘सत्य’ मानव हृदय के गौरव का प्रतीक है। सच बोलने वाले के मुख पर अलग तरह का तेज रहता है। ऐसा व्यक्ति निडर होता है व लोगों के दिल में जगह बनाता है। अप्रिय सत्य मनुष्य को कभी नहीं बोलना चाहिए। सत्य-असत्य की परिभाषा अपने-आप में कुछ नहीं, परंतु दूसरों की भलाई, कल्याण के लिए बोला गया बड़े-से-बड़ा झूठ भी सत्य है और वास्तविक सत्य जो दूसरों को कठिनाई में डाल दे, बोला जाए तो वह झूठ की परिधि में आता है। सत्य का पालन करने के लिए सत्यवादी हरिशचंद्र अपने पूरे जीवन को तपस्वी की तरह जीने पर मजबूर हुए। तप और सत्य मिलकर मानव जीवन को विकास की राह पर अग्रसर करते हैं। सत्य की प्राप्ति ही कठोरतम तप है। यह संसार का सर्वोत्तम धर्म है जिसके बिना जीवन सारहीन हो जाता है। सत्य अटल है। लाख झूठ भी उसके समक्ष टिक नहीं सकते। झूठ बुलबले की भाँति है जिसका अस्तित्व क्षणिक है। सच स्थायी है, चिरंतन है। एक सच को छुपाने के लिए सौ झूठ बोलने पड़ते हैं और अंत में सौ झूठों का आवरण भेदकर सत्य बाहर निकल ही आता है। सत्य से व्यक्ति जितना मुँह मोड़ता है वह उतना पल-पल में सामने आता है। कठिन अवश्य है तप का मार्ग, सत्य का मार्ग, परंतु कल्याणकारी है।

क.

‘सच’ का मार्ग कैसा होता है?

ख.

तप कैसा व्यक्ति कर सकता है?

ग. सच बोलने वाले की क्या पहचान है?

घ. मानव जीवन के विकास की राह को कैसे आगे बढ़ाया जा सकता है?

ड. 'सच' और 'झूठ' में क्या अंतर है?

च. 'झूठ बुलबले की भाँति है' - का आशय स्पष्ट कीजिए।

छ. विलोम शब्द लिखिए:-

i. क्षणिक -

ii. भलाई -

iii. अंत -

iv. सत्य -

v धर्म -

vi निडर -

vii वास्तविक

ज. दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए -

i. कठिन -

ii. समक्ष -

iii. हृदय -

iv. कंटीला -

v. मनुष्य -

झ. ‘मुँह मोड़ना’ का इस प्रकार वाक्य-प्रयोग कीजिए कि अर्थ स्पष्ट हो जाए।

II

एक बार स्वामी विवेकानंद का एक शिष्य उनके पास आया और उसने कहा, “स्वामी जी, मैं आप की तरह भारत की संस्कृति, दर्शन और रीति-रिवाज़ का प्रचार-प्रसार करने के लिए अमेरिका जाना चाहता हूँ। यह मेरी पहली यात्रा है। आप मुझे विदेश जाने की अनुमति और अपना आशीर्वाद दें ताकि मैं अपने मकसद में सफल होऊँ।” स्वामी जी ने उसे ऊपर से नीचे तक देखा, फिर कहा, “सोचकर बताऊँगा।” शिष्य हैरत में पड़ गया। उसने विवेकानंद जी से इस उत्तर की कल्पना भी नहीं की थी। उसने फिर कहा, “स्वामी जी, मैं आपकी तरह सादगी से अपने देश की संस्कृति का प्रचार करूँगा। मेरा ध्यान और किसी चीज़ पर नहीं जाएगा।” विवेकानंद ने फिर

कहा, “सोचकर बताऊँगा।” शिष्य ने समझ लिया कि स्वामी जी उसे विदेश नहीं भेजना चाहते इसलिए ऐसा कह रहे हैं। वह उनके पास ही रुक गया। दो दिनों के बाद स्वामी जी ने उसे बुलाया और कहा, “तुम अमेरिका जाना चाहते हो तो जाओ। मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ है।” शिष्य ने सोचा कि स्वामी जी ने इतनी छोटी-सी बात के लिए दो दिन सोचने में क्यों लगा दिए? उसने अपनी यह दुविधा स्वामी जी को बताई। स्वामी जी ने कहा, “मैं दो दिनों में यह समझना चाहता था कि तुम्हारे अंदर कितनी सहनशक्ति है। कहीं तुम्हारा आत्म-विश्वास डगमगा तो नहीं रहा है। लेकिन तुम दो दिनों तक यहाँ रहकर निर्विकार भाव से मेरे आदेश की प्रतीक्षा करते रहे। न क्रोध किया, न जल्दबाज़ी की और न ही धैर्य खोया। जिसमें इतनी सहनशक्ति और गुरु के प्रति प्रेम का भाव होगा, वह शिष्य कभी भटकेगा नहीं। मेरे अधूरे काम को वही आगे बढ़ा सकता है। किसी दूसरे देश के नागरिक के मन में अपने देश की संस्कृति को अंदर तक पहुँचाने के लिए ज्ञान के साथ-साथ धैर्य, विवेक और संयम की आवश्यकता होती है। मैं इसी बात की परीक्षा ले रहा था।” शिष्य स्वामी जी की इस अनोखी परीक्षा से अभिभूत हो गया।

- क. स्वामी जी के शिष्य का अमेरिका जाने का क्या उद्देश्य था?
- ख. विवेकानंद जी ने शिष्य को अमेरिका जाने की अनुमति क्यों नहीं दी?
- ग. विवेकानंद जी के उत्तर न देने पर शिष्य की क्या प्रतिक्रिया हुई?
- घ. शिष्य स्वामी जी के पास क्यों गया था?
- ड. दो दिन के बाद स्वामी जी ने अपने शिष्य से क्या कहा?

च. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

छ. विलोम शब्द लिखिए:-

i. देश -

ii. गुरु -

iii. धैर्य -

iv. सफल -

III कर्म में आनंद अनुभव करने वालों ही का नाम कर्मण्य है। धर्म और उदारता के उच्च कर्मों के विधान में ही एक ऐसा दिव्य आनंद भरा रहता है कि कर्ता को वे कर्म ही फल स्वरूप लगते हैं। अत्याचार का दमन और क्लेश का शमन करते हुए चित्त में जो उल्लास की पुष्टि होती है वही लोकोपकारी कर्मवीर का सच्चा सुख है। उसके लिए सुख तब तक के लिए रुका नहीं रहता जब तक कि फल प्राप्त न हो जाए, बल्कि उसी समय से थोड़ा-थोड़ा करके मिलने लगता है जब से वह कर्म की ओर हाथ बढ़ाता है।

कभी-कभी आनंद का मूल विषय तो कुछ और रहता है, परंतु उस आनंद के कारण एक ऐसी स्फूर्ति उत्पन्न होती है जो बहुत से कामों की ओर हर्ष के साथ अग्रसर करती है। इसी प्रसन्नता और तत्परता को देख लोग कहते हैं कि वे काम बड़े उत्साह से कर रहा है। यदि किसी मनुष्य को बहुत-सा लाभ हो जाता है या उसकी कोई बड़ी भारी कामना पूर्ण हो जाती है तो जो काम उसके सामने आते हैं उन सबको वह बड़े हर्ष और तत्परता के साथ करता है। उसके इस हर्ष और तत्परता को भी लोग उत्साह ही कहते हैं। इसी प्रकार किसी उत्तम फल या सुख-प्राप्ति को आशा या निश्चय से उत्पन्न आनंद, फलोन्मुख प्रयत्नों के अतिरिक्त और दूसरे व्यापारों के साथ संलग्न होकर, उत्साह के रूप में दिखाई पड़ता है। यदि हम किसी ऐसे उद्योग में लगे हैं जिससे आगे चलकर हमें बहुत लाभ या सुख की आशा है तो हम

उस उद्योग को तो उत्साह के साथ करते ही हैं, अन्य कार्यों में भी प्रायः अपना उत्साह दिखा देते हैं।

यह बात उत्साह में नहीं, अन्य मनोविकारों में भी बराबर पाई जाती है। यदि हम किसी बात पर कुद्ध बैठे हैं और इसी बीच में कोई दूसरा आकर हमसे कोई बात सीधी तरह से पूछता है तो भी हम उस पर झुंझला उठते हैं। इस झुंझलाहट का न तो कोई निर्दिष्ट कारण होता है, न उद्देश्य। यह केवल क्रोध की स्थिति के व्याधात को रोकने की क्रिया है, क्रोध की रक्षा का प्रयत्न है। इस झुंझलाहट द्वारा हम प्रकट करते हैं कि हम क्रोध में हैं और क्रोध में ही रहना चाहते हैं। क्रोध को बनाए रखने के लिए हम उन बातों से भी क्रोध ही संचित करते हैं जिनसे दूसरी अवस्था में हम विपरीत भाव प्राप्त करते हैं। इसी प्रकार यदि हमारा चित्त किसी विषय में उत्साहित रहता है तो हम अन्य विषयों में भी अपना उत्साह दिखा देते हैं।

क लेखक ने कर्मण्य किसे कहा है?

ख उनके लिए सुख कब तक रुका नहीं रहता?

ग लोग उत्साह किसे कहते हैं?

घ हम किस उद्योग को उत्साह के साथ करते हैं?

ङ झुंझलाहट द्वारा हम क्या प्रकट करते हैं?

6 विलोम लिखिएः-

क आशा -

ख निश्चय -

ग लाभ -



IV दुर्निवार संतान प्रवाह के कारण ही पीपल अश्वत्थ कहा जाता है। श्वत्थ का अर्थ है कल तक रहने वाले, अवश्वत्थ का अर्थ है जो कल की परंपरा के बाहर अक्षय हो। यही कारण है कि हमारी संस्कृति में पीपल जीवन तरु है। वह जीवन-मरण, हर्ष-विवाद, राग-विराग, सबमें बहुत बड़ा आश्वासन है। वह एक ओर मन की चंचलता को पत्तियों के बहाने दिग्दर्शित करता है, वहीं दूसरी ओर अपनी जड़ों के विस्तार के द्वारा आतुर की अनश्वरता भी दिग्दर्शित करता है। एक ओर वह सत्य का भरोसा देता है, यहाँ आकर कोई झूठ नहीं बोलेगा, दूसरी ओर भय देता है। अदृश्य सत्ताएँ भी यहाँ हैं, वे कुछ नहीं, तुम्हारे भीतर के असत्य हैं, जिनका तुम्हें यहाँ आते ही एहसास होने लगता है। एक ओर पीपल पूरा-का-पूरा सामने है, विशाल छायादार वृक्ष, दूसरी ओर वह उतना ही अदृश्य विशाल भीतर दूर तक चला गया है। पीपल यदि गाँव में न हो तो उस गाँव की शोभा घट जाती है। पीपल की छाँह में कितना बड़ा परिवार और उससे भी बड़ा परिवार-भाव पलता है। इसके बावजूद पीपल कितना निस्संग है। कितना अकेला है, कितना विरागी है, कितना उसने देखा है, कितना उसने झेला है। कितनी बार मदमाते हाथियों से अधिक मदमाते उनके पीलवानों ने उनकी डालें छिनगाई हैं, कितनी बार बकरियों के पालने वालों ने उसकी पत्तियों के संसार को बेरहमी से उजाड़ा है, कितने बेदर्द मौसम उसने झेले हैं और वह अनासक्त वैसे ही खड़ा है, कितनी पीढ़ियाँ उसकी आँखों के सामने गुज़री हैं, सबका सुख-दुख, संपत्ति-विपत्ति देखते-देखते वह इतना काठ हो गया है, बस जीवन का सहज छंद वह अपनी पत्तियों की धिरकन के द्वारा पढ़ता रहता है। पढ़ता क्या गुनगुनाता रहता है, जीवन यही है, थोड़ा-सा सुख, ढेर सारा दुख। पर इससे भी ज्यादा जीने की चाह, अकेले न जी पाएँ, तो साझे की तरह, साझे में धोखा खाए तो भी साझे

की तड़पन, हज़ार-हज़ार पक्षियों का कलरव, दुपहरी का सन्नाटा, रात की भयावह शांति, सुबह-शाम की हलचल, एकाएक तरुणाई का प्यार, फिर एकाएक अपने ही पत्तों का छोड़-छोड़कर दूर-दूर भागना, जाड़े का कुहरा, पतझड़ की मार, वसंत का प्यार, निदाघा की स्निग्धता, वर्षा का हर्ष, यही तो जीवन है।

क अश्वत्थ का व्याख्या क्या अर्थ है?

ख पीपल को जीवन-तरु क्यों कहा गया है?  
ग अदृश्य सत्ताएँ लेखक ने किसे कहा है?

घ पीपल को लेखक ने निस्संग क्यों कहा है?

ङ पीपल पत्तियों की थिरकन द्वारा क्या पढ़ता है और गुनगुनाता रहता है?

च गद्यांश में से किन्हीं तीन विलोम शब्दों के युग्मों को छाँटकर लिखिए।

छ निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग तथा मूल शब्द अलग कीजिए:-  
 i बेदर्द -

ii अदृश्य -

iii अनश्वरता -

V जब व्यक्ति अपने आपको नहीं देख पाता, तब हज़ारों समस्याएँ पैदा हो जाती हैं। इनका कहीं अंत नहीं आता। गरीबी की समस्या हो या मकान और कपड़े की समस्या हो या अन्य समस्याएँ हों, वे सारी की सारी गौण समस्याएँ हैं, मूल समस्या नहीं है।

ये पत्तों की समस्याएँ हैं, जड़ की नहीं हैं। पत्तों का क्या? पतझड़ आता है, सारे पत्ते झड़ जाते हैं। बसंत आता है और सारे पत्ते आ जाते हैं, वृक्ष हरा-भरा हो जाता है। यह मूल समस्या नहीं है। मूल समस्या है कि व्यक्ति अपने-आपको नहीं देख पा रहा है। उसके पीछे ये पाँच कारण या समस्याएँ काम कर रही हैं। पहली मिथ्या दृष्टिकोण, दूसरी असंयम, तीसरी प्रमाद, चौथी कषाय, पाँचवीं चंचलता।

जैन दर्शन ने बताया कि मूल समस्याएँ ये पाँच हैं। यही वास्तव में दुख है। यही दुख का चक्र है। जब तक इस दुख के चक्र को नहीं तोड़ा जाएगा, तब तक जो सामाजिक, मानसिक और आर्थिक समस्याएँ हैं, उनका सही समाधान नहीं हो पाएगा।

एक प्रश्न है कि आदमी करोड़पति है, अरबपति है। वह अप्रामाणिक और अनैतिक व्यवहार करता है। क्या वह बुराई गरीबी के कारण करता है? अभाव के कारण करता है? रोटी-रोज़ी के लिए करता है?

गरीब आदमी इतना अनैतिक नहीं होता, जितना अनैतिक एक धनी और अमीर आदमी होता है। समस्या धन की नहीं है। समस्या लोभ की है। यह सबसे बड़ी समस्या है। इसका समाधान नहीं खोजा जाता। समाधान खोजा जाता है गरीबी का। वह सभी समाप्त नहीं होती। कुछ लोग बहुत धनी हो जाते हैं और कुछ अत्यधिक गरीब रह जाते हैं। जब पहाड़ है तो गड्ढा भी अवश्य होगा। ऊँचाई है तो निचाई भी होगी। सर्वत्र समतल हो नहीं सकता? यह असंभव नहीं है। पर जब तक मूल समस्या पर ध्यान नहीं जाता, तब तक समस्या का समाधान नहीं मिल सकता।

क कौन-कौन सी गौण समस्याएँ हैं?

ख पतझड़ आने पर क्या होता है?

ग किन पाँच प्रमुख समस्याओं का वर्णन किया गया है?

घ उपरोक्त गद्यांश में अनैतिकता का प्रमुख कारण किसे बताया गया है?

ঙ उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

চ. विलोम लिखिए:-

৭ আবশ্যক -

২ গৌণ -

৩ বুরাই -

VI

बातचीत का भी एक विशेष प्रकार का आनंद होता है। जिनको इस आनंद को भोगने की आदत पड़ जाती है वे इसके लिए अपना खाना-पीना तक छोड़ देते हैं, अपना और नुकसान कर लेते हैं, लेकिन बातचीत से प्राप्त आनंद को नहीं खोना चाहते। जिनसे केवल पत्र-व्यवहार है, कभी एक बार भी साक्षात्कार नहीं हुआ, उन्हें अपने प्रेमी से बात करने की अत्यधिक लालसा रहती है। अपने मन के भावों को दूसरों के समुख प्रकट करने की और दूसरों के अभिप्राय को स्वयं ग्रहण करने का एकमात्र साधन शब्द ही है।

बेन जानसन का यह कथन उचित प्रतीत होता है कि “बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है।” बातचीत की सीमा दो से लेकर वहाँ तक रखी जा सकती है जितनों की जमात, मीटिंग या सभा न समझ ली जाए। एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ़ दो में ही हो सकती है। जब तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर चली जाती है। चार से अधिक की बातचीत केवल राम-रमौवल कहलाती है। इसलिए जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों, यदि तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख और अज्ञानी समझ बनाने लगते हैं।

इस बातचीत के अनेक भेद हैं। दो बुड्ढों की बातचीत प्रायः ज़माने की शिकायत पर हुआ करती है। नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला आदि होता है। पढ़े-लिखे लोगों की बातचीत का विषय प्रसिद्ध विद्वान, विचारक और उनके विचार होते हैं। खिलाड़ियों की बातचीत का विषय खेल-चर्चा तथा अधेड़ आयु की स्त्रियों का मुख्य विषय अपनी बहू-बेटी का गिला-शिकवा या पास-पड़ौस की चर्चा होती है। स्कूल के लड़कों की बातचीत का उद्देश्य अपने गुरुजनों की प्रशंसा या निंदा अथवा अपने सहपाठियों के गुण-दोषों आदि का वर्णन करना होता है।

क

बातचीत की आदत का क्या असर होता है?

ख अपने मन के भाव दूसरे के सामने प्रकट करने का एकमात्र साधन क्या हो सकता है?

ग असली बातचीत कब हो सकती है?

घ बैन जानसन ने क्या माना है?

ङ उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक क्या हो सकता है?

च. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए:-

i महत्तव -

ii प्रशन्सा -

iii सपर्श -

iv विद्वान -

v सहपाठीयो -

vi उददेशय

vii मुख्य -

viii साक्षातकार -

छ. विलोम शब्द लिखिए:-  
i उचित -

ii प्रत्यक्ष -

iii अज्ञानी -

iv मूर्ख -

v प्रशंसा -

vi गुण - THE CIVIL SERVICES SCHOOL

vii हानि -

viii मानव -

ज. सही स्थान पर अनुस्वार लगाइए:-

i उमगं -

ii आंनद -

iii स्वंय -

iv स्त्रियो -

v निदां -

vi मीटिंग -

vii खिलाड़ियो -

viii प्रेशसा -

VII

आज लगता है कि संयुक्त परिवार का विघटन शायद अवश्यंभावी हो गया। आज हमारा समाज बदल गया है, आजीविका के आधार बदल गए हैं, सोच का तरीका बदल गया है। माता-पिता और गुरु के प्रति आदर और श्रद्धा क्यों और कहाँ लुप्त हो गए? आखिर माँ-बाप और संतान का रिश्ता तो वैसा ही है, जैसा शिष्य और आचार्य का संबंध। उत्तरवर्ती पीढ़ी पूर्ववर्ती पीढ़ी को और उनकी सोच को बेकार कहकर अपने से बड़ों का तिरस्कार करे यह अपसंस्कृति का उदाहरण है। जो व्यक्ति अपने माँ-बाप और गुरु को आदर नहीं दे पाता, कल उसे भी आदर नहीं मिलेगा। शादी-ब्याह माँ-बाप की आज्ञा-अनुमति से ही हो, यह जरूरी नहीं है, न यह उचित है कि युवकों और युवतियों के बीच सहज आकर्षण पर सामाजिक या सरकारी पुलिस बैठाइ जाए। इस प्रकार अब तक सास-बहू के कलाह में अक्सर सास का दोष देखने के आदी प्रगतिवादी लोग भी अब बहू के द्वारा सास के तिरस्कार को देखकर

तिलमिला उठते हैं। बीते ज़माने में सास का कठोर अनुशासन और बहू का विनय दिखाई देता था। अब सास निरीह होती जा रही है और कई बहुएँ दुर्विनीत और उद्दंड व्यवहार करती हैं। दोष केवल बहू का ही नहीं, बेटे का भी होता है; बल्कि बेटे का ज्यादा। वस्तुतः मर्यादा, विवेक और शालीनता, सम्यक शिष्टाचार के साथ एक संतुलित समीकरण की ओर ले जाना आवश्यक हो गया है। अन्यथा जिन पारंपरिक-पारिवारिक मूल्यों का हम गर्व से उद्घोष करते रहे हैं, वे प्रदूषित होकर विनष्ट हो जाएँगे। क्या सही है, और क्या गलत, उनके बीच सीमा-रेखा खींचते हुए यह विचारणीय और वांछनीय है कि हमारी प्रगति, समृद्धि और शिक्षा अपसंस्कृति का वाहन और माध्यम न बने।

- क आज क्या लुप्त हो गया है?
- ख कौन-सी पीढ़ी किसकी सोच को बेकार कहती है?
- ग प्रगतिवादी लोग भी किसे देखकर तिलमिला उठते हैं?
- घ लेखक ने किसका दोष ज्यादा माना है?
- ङ लेखक ने क्या विचारणीय माना है?
- च. विलोम शब्द लिखिए:-  
i. पूर्ववर्ती -

ii विकर्षण -

छ. प्रत्यय छाँटकर लिखिए:-

i शालीनता -

ii पारिवारिक -

ज 'तिलमिला उठना' मुहावरे का इस प्रकार वाक्य-प्रयोग कीजिए कि उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए।

**SANSKRITI**  
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

## वर्ण-विचार

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:-

1 उज्ज्वल -

2 मारणास्त्र -

3 शृंगार -

4 लक्ष्मी -

5 पृष्ठभूमि -

6 विनम्रता -

7 व्यवस्था -

8 श्रद्धा -

9 दरिद्र -

10 कंगन -

11 आँख -

12 परिश्रम -

13 बच्चा -

14 पर्वत -

15 राजपत्रित -

16 ज्ञापन -

17 वंश -

18 पंडित -

19 कृति -

20 लंबाई -

21 संहार -

22 पशुपति -

23 ज्ञानवान -

24 कक्षा -

25 बाहुबल -

26 स्रोत -

27 प्रेम -

28 संवाद -

29 परिश्रुत -

30 क्षत्रिय -

प्रश्न वर्ण-संयोग कीजिए:-

1 त्रू+ओ+प्रू+अ+खू+आ+नू+आ=

2 ह्रू+अं+सू+अ=

3 ह्रू+रू+अ+सू+वू+अ=

4 ग्रू+यू+आ+रू+अ+हू+अ=

5 नू+इ+षू+ठू+आ=

6 सू+मू+अ+रू+अ+णू+अ=

7 पू+रू+ए+मू+अ=

8 दू+ई+वू+आ+नू+अ=

9 नू+ई+लू+आ+मू+ई=

10 औ+रू+अ+तू+अ=

11 कू+आ+नू+तू+आ=

12 हू+ई+नू+दू+ई=

13 अ+वू+वू+अ+लू+अ=

14 सू+वू+अ+सू+थू+अ=

15 स्+अ+क्+ष्+अ+म्+अ=

16 ग्+ऋ+ह्+अ=

17 भ्+आ+स्+क्+अ+र्+अ=

18 न्+इ+र्+ध्+आ+र्+इ+त्+अ=

19 ट्+ऐ+क्+स्+अ=

20 व्+ऐ+ज्+ञ्+आ+न्+इ+क्+अ=

प्रश्न सही स्थान पर अनुस्वार अथवा अनुनासिक लगाइए:-

1 पूछ -

2 मुह -

3 नीव -

4 दूगा -

5 घूघट -

6 तुम्हे -

7 सकल्प -

8 यत्र -

9 स्वय -

10 इसान -

11 सगठन -

12 सपत्ति -

13 नापसद -

14 अखड -

15 सपूर्ण -

16 सभव -

17 स्वच्छद -

18 स्वत्र -

19 आकाशा -

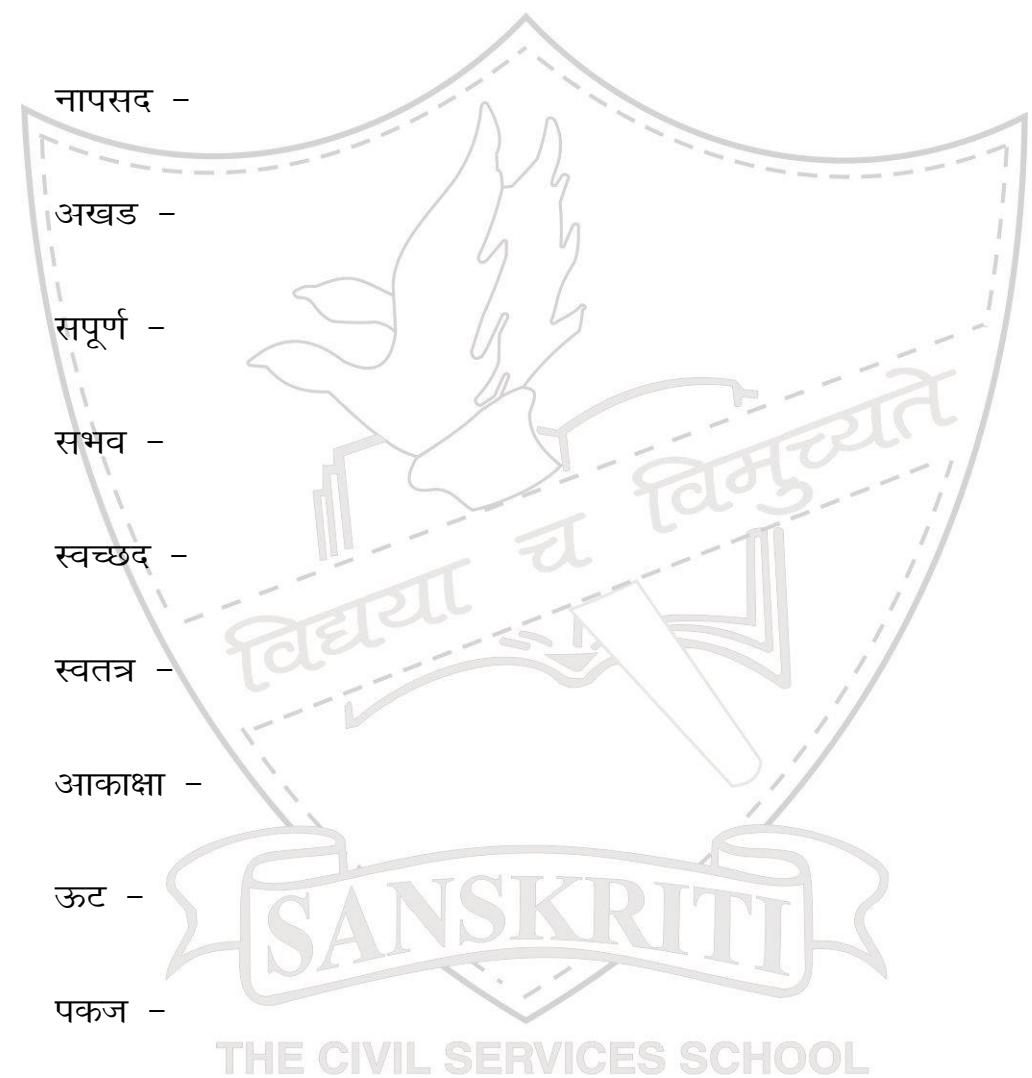
20 ऊट -

21 पक्ज -

22 पाच -

23 चाद -

24 सस्थान -



25 कुआ -

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध कीजिए:-

1 सकंल्प -

2 हसँना -

3 गेँदँ -

4 अतंर -

5 सन्वयन -

6 सशंय -

7 ठडँ -

8 सुँदर -

9 धधाँ -

10 चँबा -

11 गभीरं -

12 व्यजंन -

13 हँस (पक्षी) -

14 सबंधं -

15 सन्यासी -

16 सँयुक्त -

17 ससार -

18 अना -

19 बिदुँ -

20 सँस्कार -

प्रश्न उपयुक्त स्थानों पर नुक्ते का प्रयोग कीजिए :-

1 इस्तीफा -

2 जोरदार -

3 फारसी -

4 कर्ज -

5 मरीज -

6 मर्ज -

7 जखर -

8 जेवर -

9 जर्मीदार -

10 फतवा -

11 फिदा -

12 तूफान -

13 जोर -

14 खुदा -

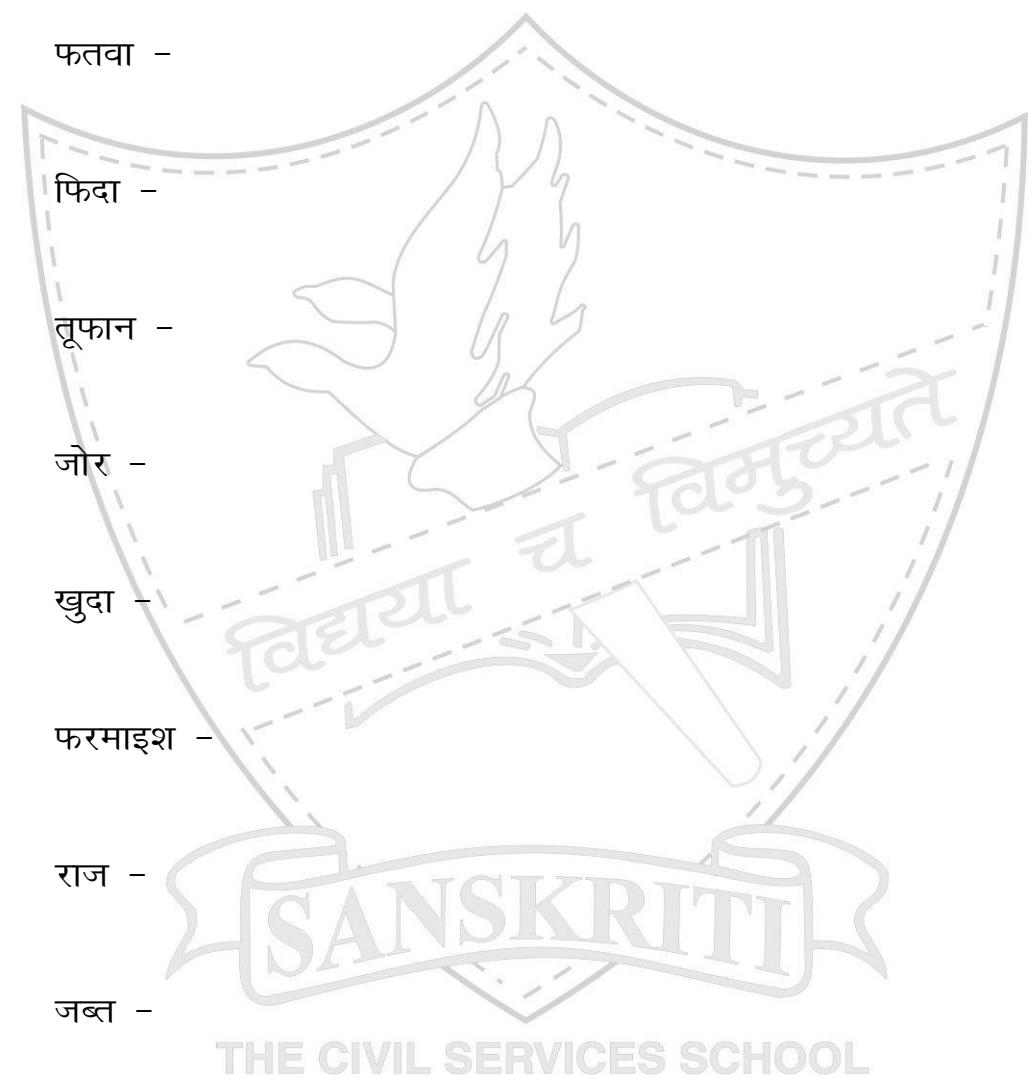
15 फरमाइश -

16 राज -

17 जब्त -

18 फर्श -

19 फैसला -



20 रपू -

प्रश्न उपयुक्त स्थानों पर अद्व॑र्धचंद्राकार (~) लगाइए :-

1 फ़ार्म

2 कापी

3 कालेज

4 फुटबाल

5 आफिस

6 डालर

7 कालम

8 डाक्टर

9 काटन

10 हाल

11 कामन

12 काटेज

13 मार्डन

14 गाड

15 नावल्टी

प्रश्न 'र' की अशुद्धियों को दूर कर शब्द फिर से लिखिएः-

1 वरषित -

2 मूरति -

3 चरम -

4 धरमारथ -

5 र्गव -

6 किरपा -

7 शरेय -

8 तिरशूल -

9 श्रमिक -

10 शुरु

11 गुरु -

12 ग्रहणी -

13 गाहू -

14 डर्म -

15 सव्र -

16 प्रकाश -

17 कीरति -

18 सर्कमक -

19 शुरुआत -

20 रूप -

21 आशीर्वाद -



22 कर्मधार्य -

23 प्रार्थना -

24 परिकरमा -

25 जागरुक -

26 स्प्रति -

27 विद्यार्थी -

28 क्रिपा -

29 प्रिह -

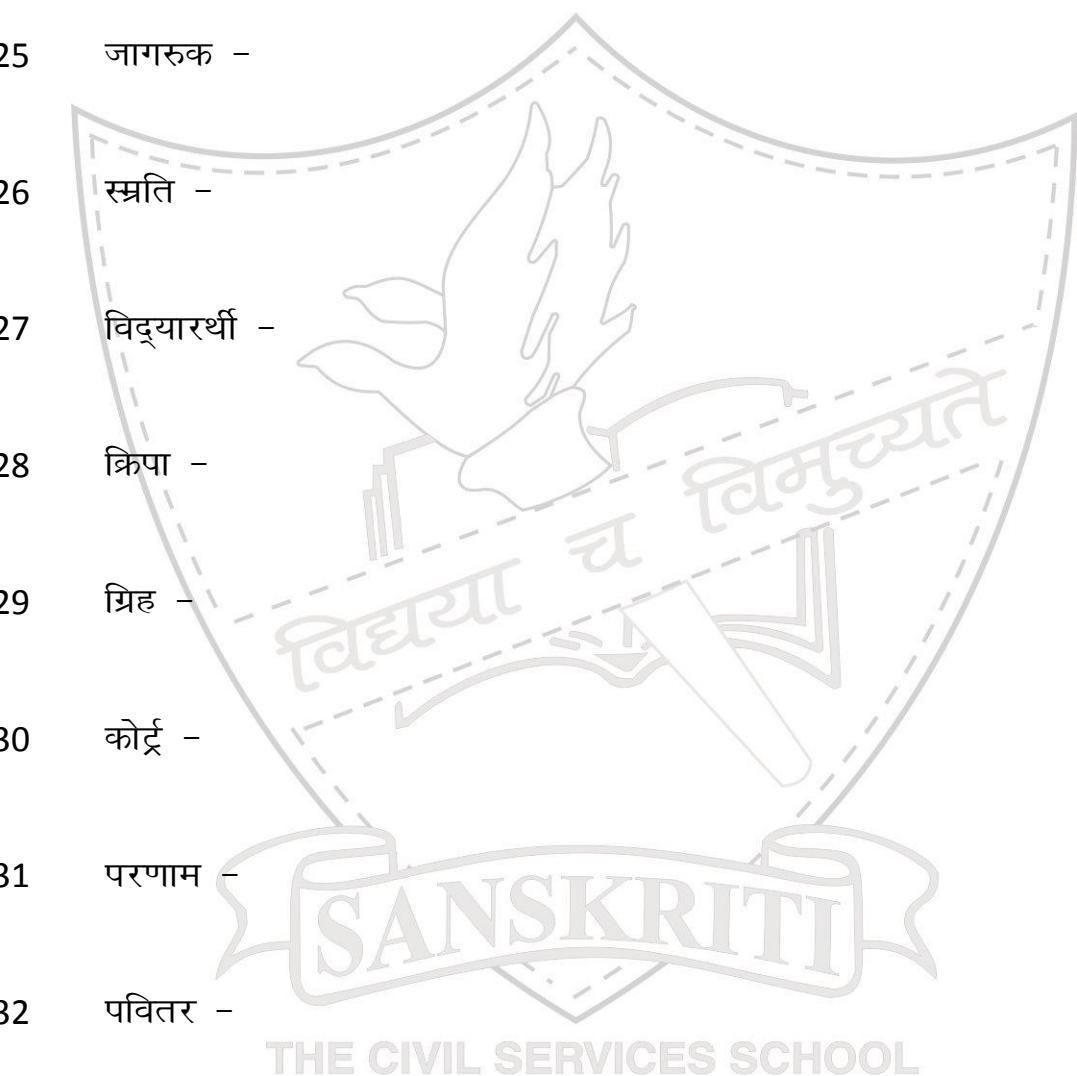
30 कोट्र -

31 परणाम -

32 पवित्र -

33 चित्र -

34 मित्र -



35 संस्कृति -

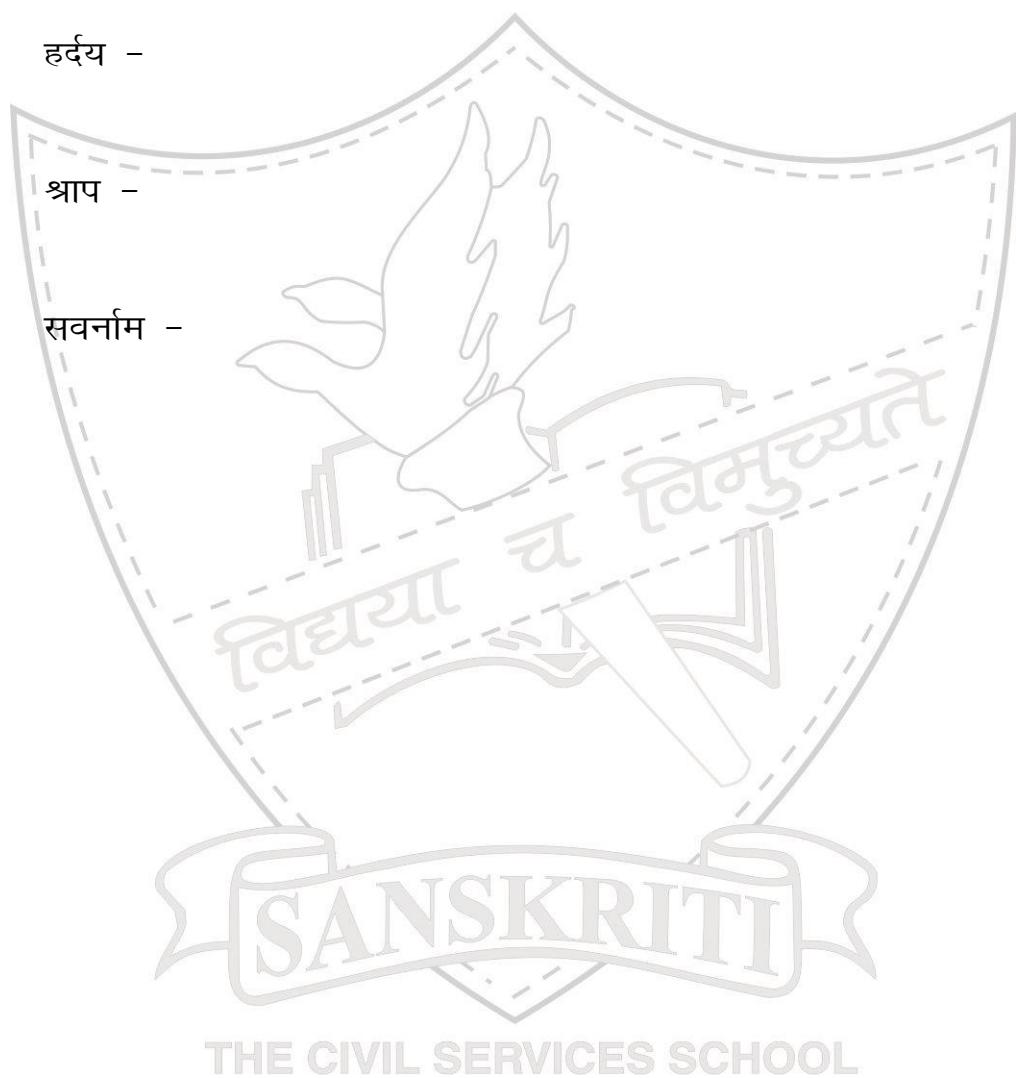
36 हस्ताक्षर -

37 श्रंगार -

38 हर्दय -

39 श्राप -

40 सवर्नाम -



## विलोम शब्द

प्रश्न विलोम लिखिएः-

1. अथ -
2. अनुराग -
3. अतिवृष्टि -
4. आलस्य -
5. ऐच्छिक -
6. क्षणिक -
7. गमन -
8. गुप्त -
9. जंगम -
10. जटिल -
11. दाता -
12. निंदा -
13. पाश्चात्य -
14. प्रवृत्ति -
15. बंधन -
16. मितव्यय -
17. मलिन -
18. मूक -

19. मोक्ष -

20. योगी -

21. वक्र -

22. वृद्धि -

23. शुष्क -

24. शीत -

25. सामिष -



## पर्यायवाची शब्द

प्रश्न निम्नलिखित के तीन-तीन पर्यायवाची लिखिए:-

1. अग्नि -

2. अरण्य -

3. अनुपम -

4. अतिथि -

5. हंद्र -

6. उन्नति -

7. कपड़ा -

8. किरण -

9. गणेश -

10. गंगा -

11. चतुर -

12. चंद्रमा -

13. दुख -

14. नौकर -

15. पंडित -

16. पक्षी -

17. पहाड़ -

18. पवित्र -

19. बालक -

20. बुद्धि -

21. मित्र -

22. लक्ष्मी -

23. सरस्वती -

24. सूर्य -

25. सुंदर -



## श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द

प्रश्न निम्नलिखित श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्मों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए:-

1. अनल-अनिल

2. अन्न-अन्य

3. अपेक्षा-उपेक्षा

4. अचल-अचला

5. अवधि-अवधी

6. उपकार-अपकार

7. काल-कल

8. कोटि-कटि

9. गृह-ग्रह

10. जलज-जलद

11. जरा-ज़रा

12. दिशा-दशा

13. देव-दैव

14. नियत-नीयत

15. परिणाम-परिमाण

16. प्रणाम-प्रमाण

17. मातृ-मात्रा

18. मोर-मौर

19. भवन-भुवन

20. समान-सामान

## उपसर्ग-प्रत्यय

प्रश्न निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाइए:-

1 अथि -

2 परि -

3 पुरा -

4 स -

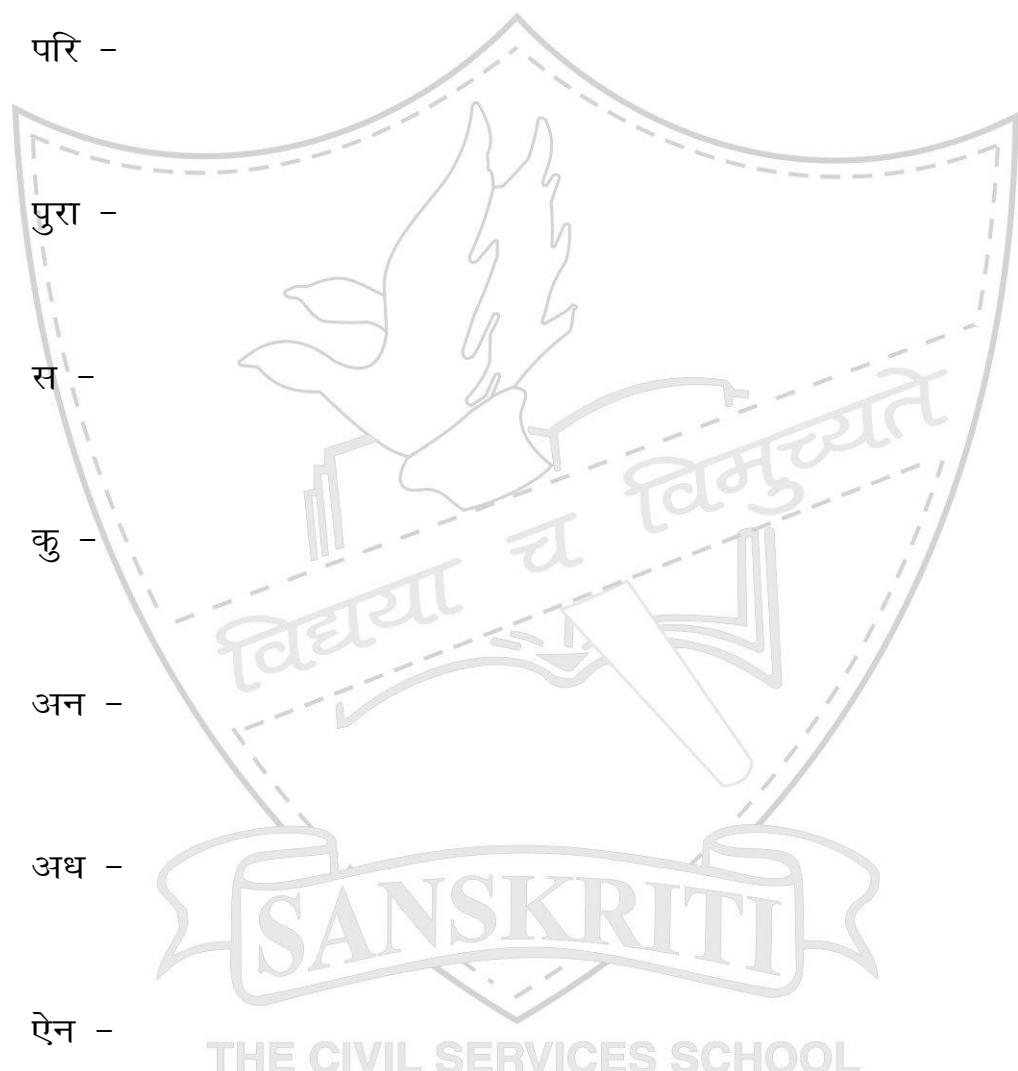
5 कु -

6 अन -

7 अधि -

8 ऐन -

9 नि -



10 अल -

11 बे -

12 हम -

13 दुर् -

14 प्र -

15 स्व -

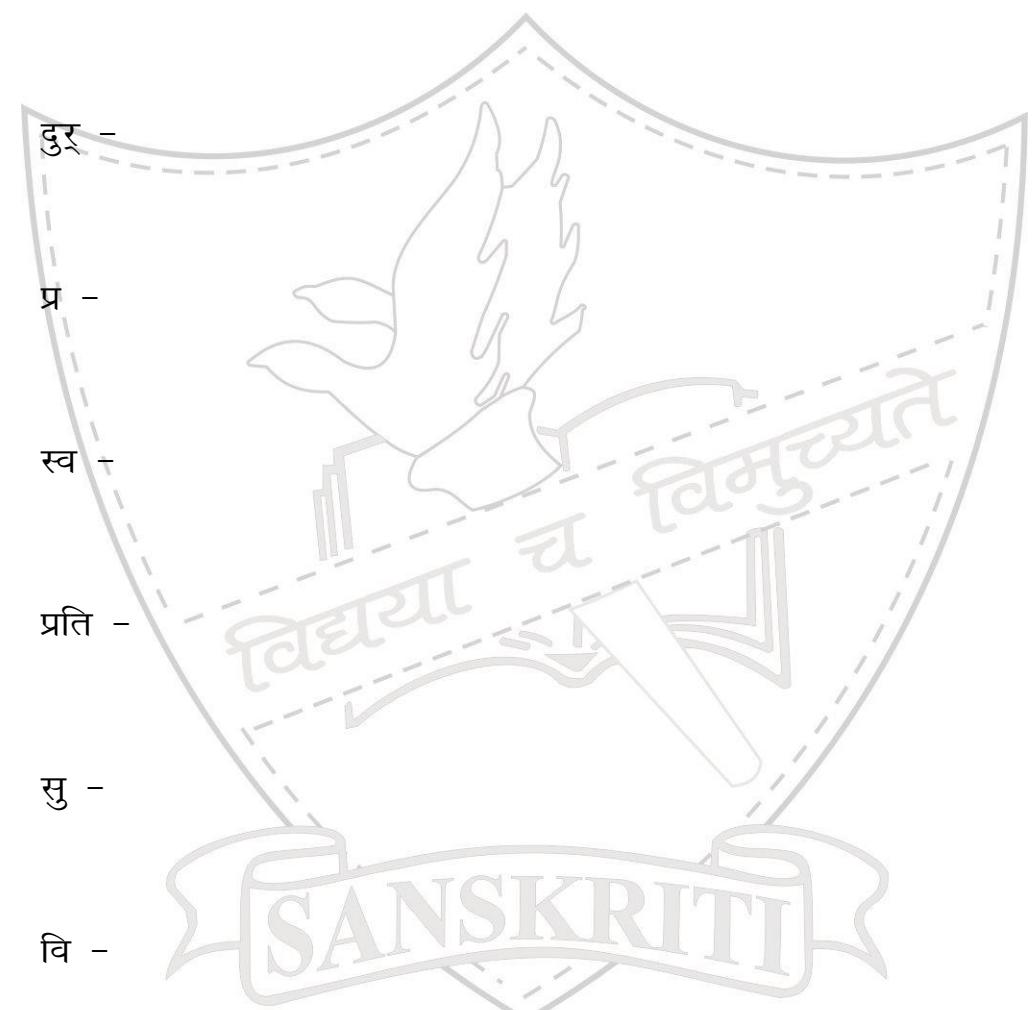
16 प्रति -

17 सु -

18 वि -

19 खुश -

20 अव -



21 भर -

22 गैर -

23 हर -

24 अप -

25 न -

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग तथा मूल शब्द पृथक कीजिए:-

1 प्राक्कथन -

2 सजीव -

3 कुपुत्र -

4 हमदर्दी -

5 भरपेट -

6 प्रदर्शन -

7 अंतर्मन -

8 खुशकिस्मत -

9 पराजय -

10 अनमोल -

11 प्रभाव -

12 परिक्रमा -

13 गैरकानूनी -

14 नालायक -

15 प्रफुल्लता -

16 सपूत -



17 कुकम -

18 खुशदिल -

19 कमउम्र -

20 स्वतंत्र -

21 अलिप्त -

22 निरोग -

23 सहचर -

24 नास्तिक -

25 अनमोल

प्रश्न निम्नलिखित प्रत्यय से दो-दो नए शब्द लिखिए:-

1 अक -

2 अक्कड़ -

3 आकू -

4 आवट -

5 औती -

6 आहट -

7 ची -

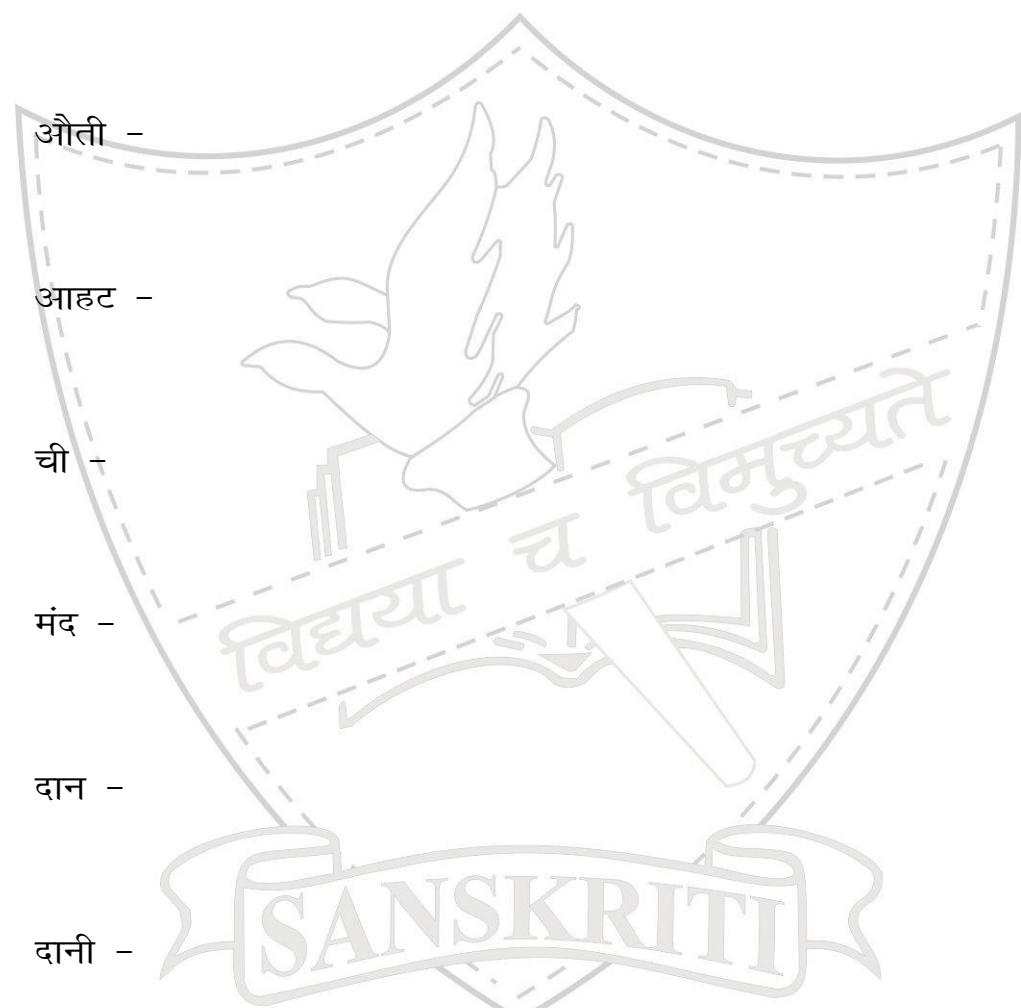
8 मंद -

9 दान -

10 दानी -

11 खोर -

12 गीरी -



13 खाना -

14 तम -

15 नीय -

16 एरा -

17 ना -

18 आपा -

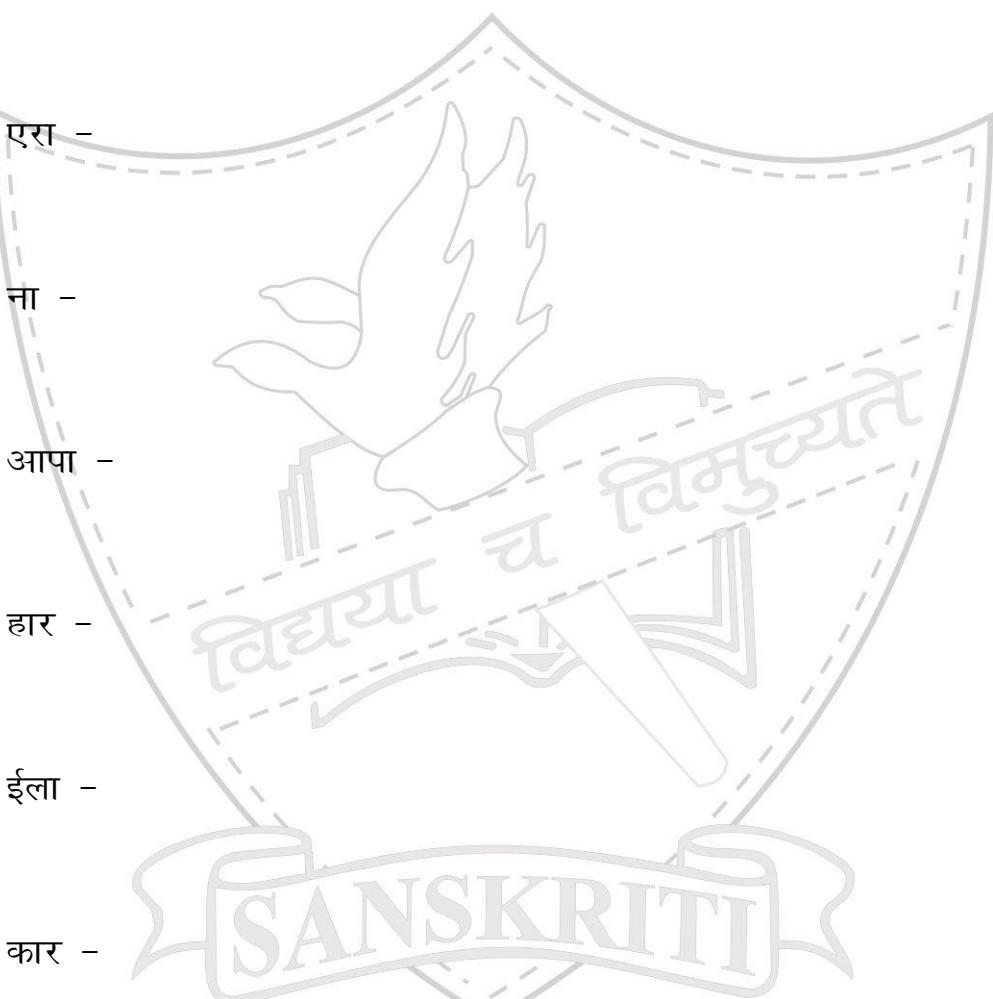
19 हार -

20 ईला -

21 कार -

22 आनी -

23 त्व -



24 इक -

25 ई -

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों में से प्रत्यय तथा मूल शब्द अलग-अलग करके लिखिए:-

1 तैराक -

2 फलित -

3 स्थिरता -

4 दैनिक -

5 पौराणिक -

6 ओढ़ना -

7 भिडंत -

8 पियककड़ -

९ बसेरा -

10 घबराहट -

11 बुढ़ापा -

पालनहार - 12

13 धार्मिक -

14 रंगीला -

15 देवत्व -

16 पत्रकार -

17 पीलापन

18 बूराई -

19 फिरौती -



20 दिखावा -

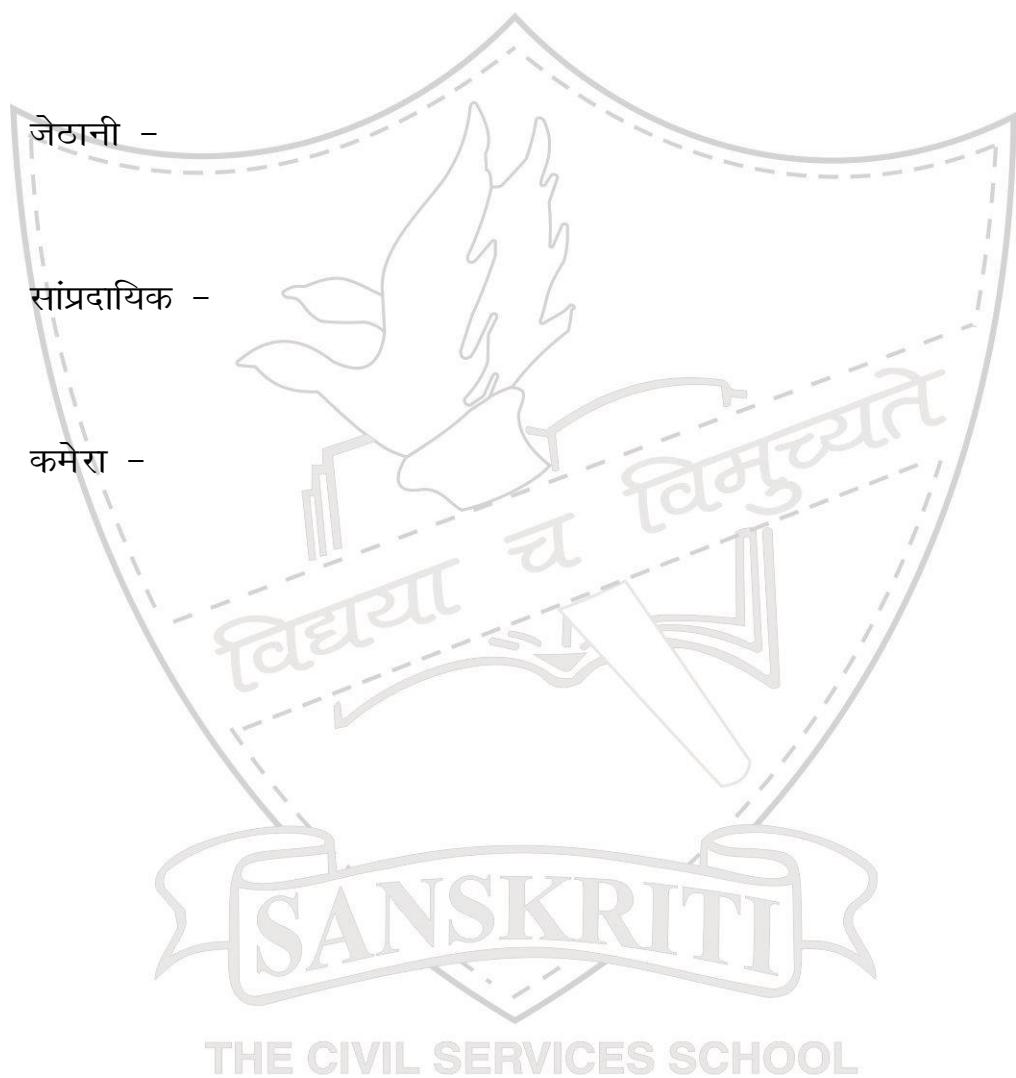
21 घट्ती -

22 धनवान -

23 जेठानी -

24 सांप्रदायिक -

25 कमेरा -



## संधि

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए:-

1 वेद + अंत =

2 रेखा + अंकित =

3 राम + गमन =

4 वीर + अंगना =

5 अधिक + अंश =

6 रत्न + आकर =

7 विद्या+ अर्था =

8 सम् + विधान =

9 भानु + उदय =

10 अभि + इष्ट =

11 सत्र+ जन =

12 उत् + नति =

13 सु + उक्ति =

14 लघु + ऊर्मि =

15 वार्ता + आलाप =

16 उत् + लास =

17 वाक् + ईश =

18 सत् + उपयोग =

19 शुभ + आरंभ =

20 उत् + घाटन

21 रवि + इंद्र =

22 रजनी + ईश =

23 सत् + वाणी =

24 जगत् + अंबा

25 तत् + अनुसार =

26 मनः + गति =

27 निः + पक्ष =

28 सरः + ज =

29 तिरः + कार =

30 यशः + गान =

प्रश्न निम्नलिखित शब्दों में सधि-विच्छेद कीजिए:-

1 रामावतार -

2 स्वार्थ -

3 उन्माद -

4 शिवालय -

5 उद्गम -

6 भगवद्गीता -

7 निस्सार -

8 धर्मात्मा -

9 सदुपयोग -

10 नीलाकाश -

11 शिक्षार्थी -

12 उद्गम -

13 संदेह -

14 सेवार्थ -

15 महाशय -

16 संजीवनी -

17 मुनीश्वर -

18 नदीश -

19 यथोचित -

20 प्राणायाम -

21 संवाद -

22 पुरोहित -

23 उल्लेख -

24 गुरुपदेश -

25 सोमेश -

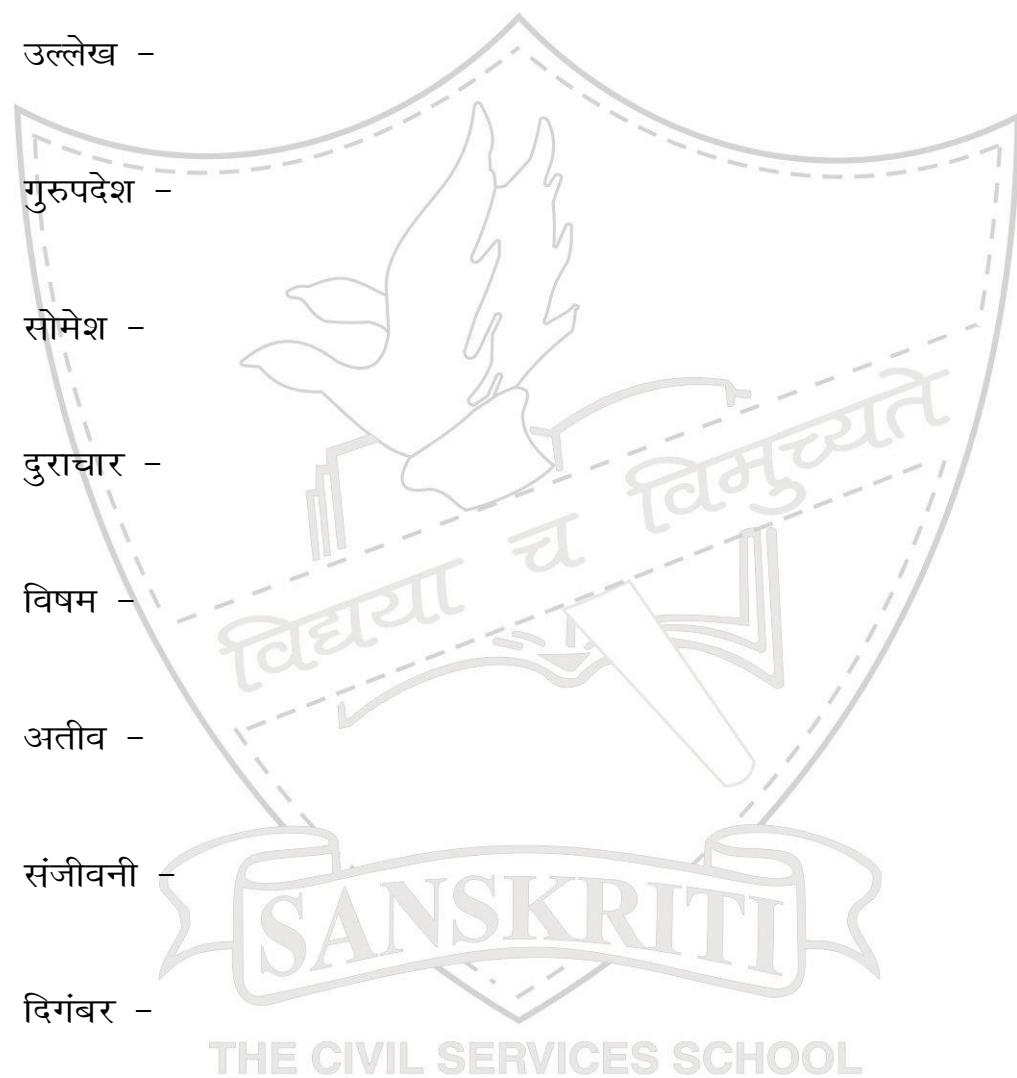
26 दुराचार -

27 विषम -

28 अतीव -

29 संजीवनी -

30 दिगंबर -



## विराम-चिह्न

**प्रश्न** सही विकल्प छाँटकर लिखिएः-

1 , विराम-चिह्न का नाम है :

i पूर्ण विराम

ii अल्प विराम

iii अद्व्युत्तम विराम

iv कोष्ठक

2 “ ” विराम-चिह्न का नाम है :

i लाघव चिह्न

ii विवरण चिह्न

iii निर्देशक चिह्न

iv उद्धरण चिह्न

3 ‘ : ’ विराम-चिह्न का नाम है :

i अल्प विराम

ii पूर्ण विराम

iii अद्व्युत्तम विराम

iv उपविराम

4 ‘ ? ’ विराम-चिह्न का नाम है :

i निर्देशक चिह्न

ii प्रश्नवाचक चिह्न

iii त्रुटिपूरक

iv कोष्ठक

5 ‘ | ’ विराम-चिह्न का नाम है :

i विस्मयवाचक चिह्न

ii पूर्ण विराम

iii अल्प विराम

iv लाघव चिह्न

6 ‘ ० ’ विराम-चिह्न का नाम है :

i त्रुटिपूरक चिह्न

ii अल्प विराम

iii योजक चिह्न

iv लाघव चिह्न

7 ‘ -- ’ विराम-चिह्न का नाम है :

i निर्देशक चिह्न

ii अल्प विराम

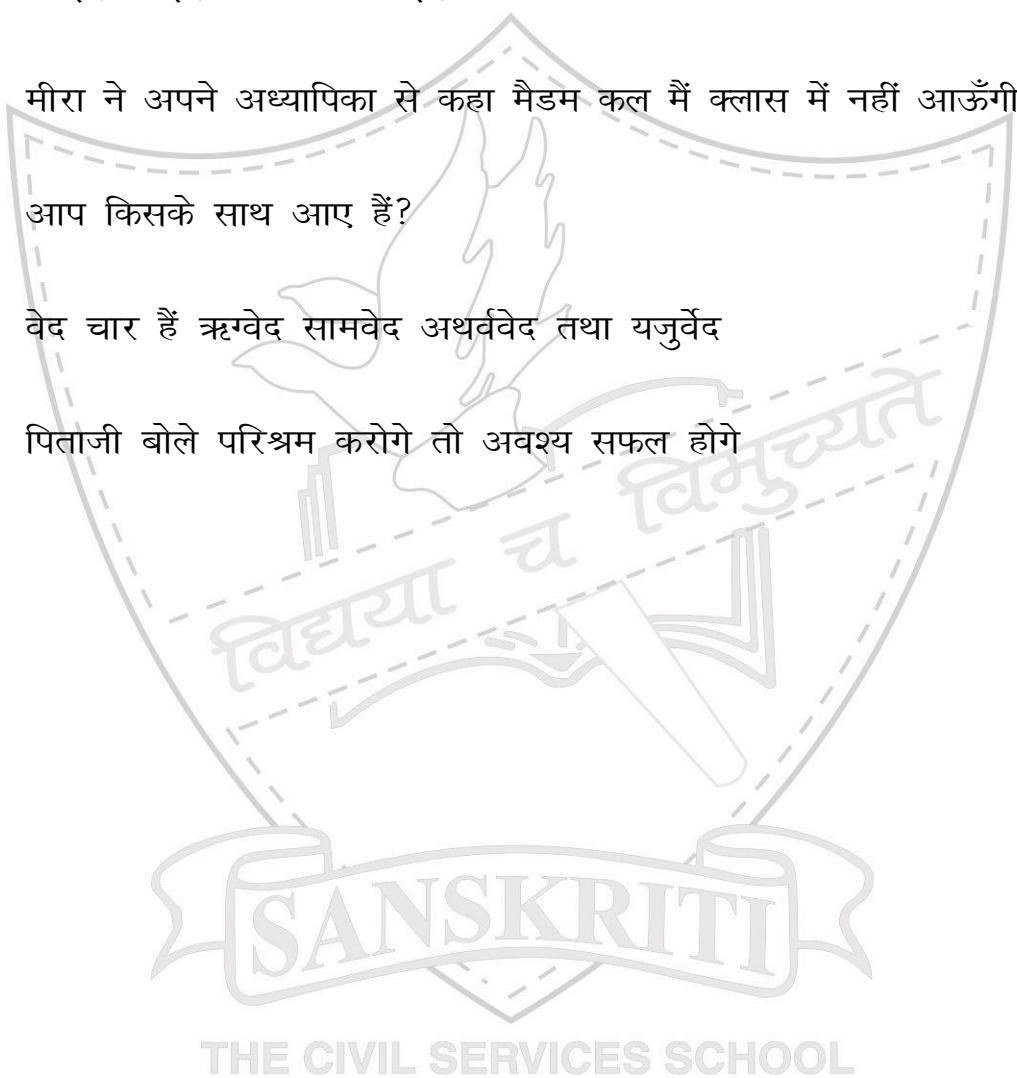
iii अद्व्युत्तम विराम

- iv उपविराम  
 8 ‘ ; ’ विराम-चिह्न का नाम है :  
 i पूर्ण विराम  
 ii उपविराम  
 iii अद्वध विराम  
 iv अल्प विराम  
 9 ‘ ! ’ विराम-चिह्न का नाम है :  
 i उपविराम  
 ii अल्प विराम  
 iii पूर्ण विराम  
 iv विस्मयादिवाचक चिह्न  
 10 ‘ :- ’ विराम-चिह्न का नाम है :  
 i उपविराम  
 ii योजक चिह्न  
 iii कोष्ठक  
 iv विवरण चिह्न

**प्रश्न निम्नलिखित वाक्यों में विराम-चिह्न लगाइए:-**

- 1 स्त्री बस आप इस मुकदमे को ले लें मैं आपको तीन हज़ार रु दूँगी
- 2 मेरा बचपन क्या हाल की बात है
- 3 क्या तुम भी चल रहे हो मेरे साथ
- 4 जब तक अलाव जलते रहेंगे तब तक आग बची रहेगी
- 5 हम कर्मशील बनें हमारी कारीगरी बढ़े तभी हमारा भाग्योदय होगा
- 6 उसने उनके कान में जाकर कहा जब जब तुमको बुलाया तुमने मना  
कर दिया
- 7 अरे वह फिर आ गई

- 8 धन के लिए माँ बाप भाई बंद सबसे अलग यहाँ पड़ा हूँ
- 9 अच्छा तुम विदेश जा रही हो
- 10 महाराज ने कहा इन भोले बच्चों को छोड़ दो इन्हें भरपेट खाना खिलाओ
- 11 आइए आइए अंदर आ जाइए
- 12 मीरा ने अपने अध्यापिका से कहा मैडम कल मैं क्लास में नहीं आऊँगी
- 13 आप किसके साथ आए हैं?
- 14 वेद चार हैं ऋग्वेद सामवेद अथर्ववेद तथा यजुर्वेद
- 15 पिताजी बोले परिश्रम करोगे तो अवश्य सफल होगे



## शब्द और पद

प्रश्न-1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

क. शब्द और पद में क्या अंतर है? उदाहरण सहित समझाइए।

ख. शब्द पद कब बनता है? उदाहरण सहित समझाइए।

प्रश्न-2 रेखांकित पदों का भेद बताइए:-

1 मोहित बाज़ार गया है।

2 आप भी हमारे साथ चलिए।

3 धीरे-धीरे चलो।

4 वाह! कितना सुंदर दृश्य है।

5 घर के भीतर चलो।

6 मेरे पास नीला पेन है।

7 चार किलो चावल लेते आना।

8 मीरा और सुमेधा मेरे घर आई थीं।

9 कम बोलो।

10 मैं भी मुस्कान के साथ चली जाती हूँ।

11 माताजी ने माली से पौधों को पानी दिलवाया।

12 मेरा भाई सो रहा है।

13 छीः! कितनी गंदगी है यहाँ।

14 मेरे घर के पास मंदिर हैं।

15 मैंने खूब मेहनत की थी इसीलिए अच्छे अंक मिले हैं।

## समास

प्रश्न-1 निम्नलिखित का समास विग्रह कर भेद बताइए:-

1 यशप्राप्त -

2 पतझड़ -

3 आसमुद्र -

4 तिरंगा -

5 यथासंभव -

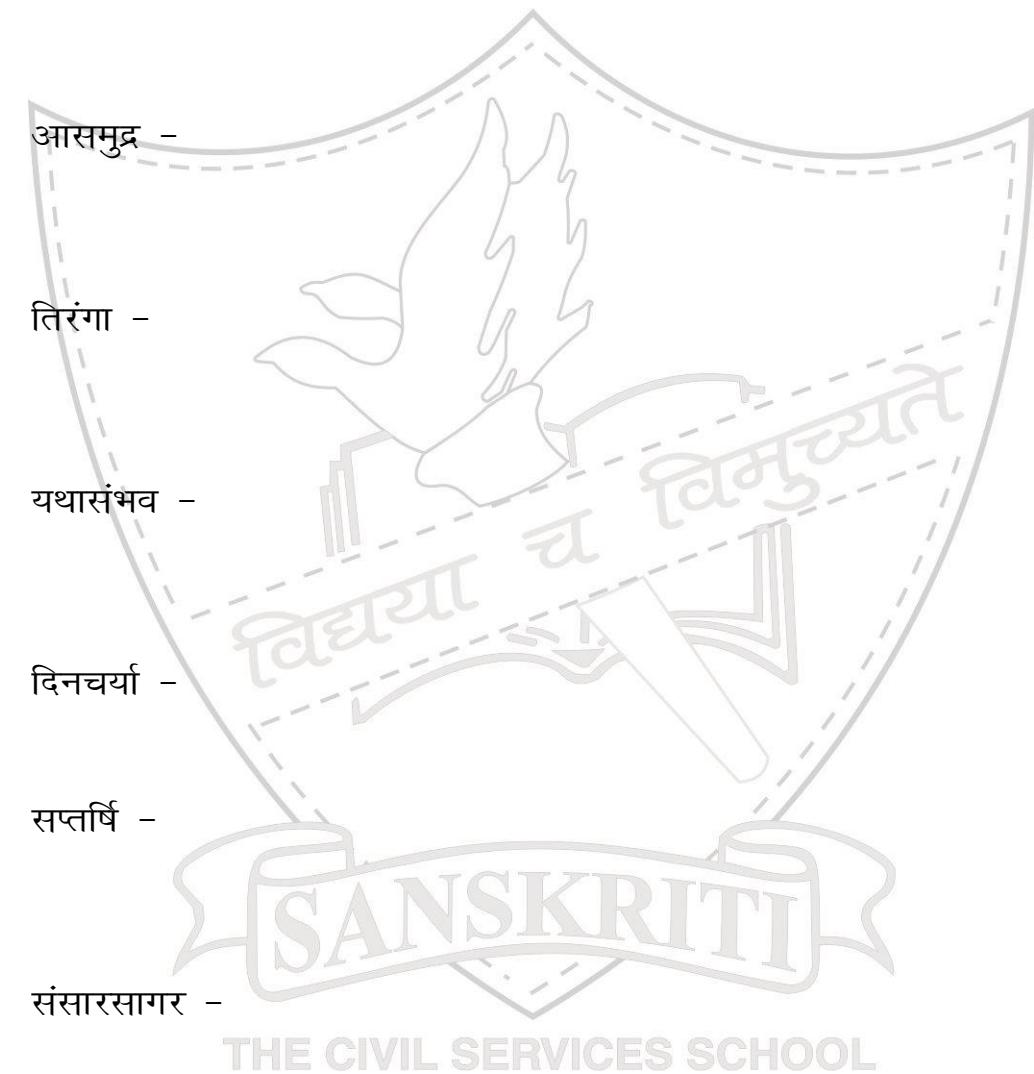
6 दिनचर्या -

7 सप्तर्षि -

8 संसारसागर -

9 पुरुषोत्तम -

10 चिंतामग्न -



11 उद्योगपति -

12 अठन्नी -

13 त्रिलोक -

14 पंकज -

15 परलोकगमन -

16 ग्रामगत -

17 आमरण -

18 नगराज -

19 रुपए-पैसे -

20 सिर में दर्द -

21 पीतांबर -

22 मेघनाद -

23 त्रिलोचन -

24 लंबोदर -

25 चतुर्भुज -

प्रश्न-2 निम्नलिखित विग्रह का समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए:-

1 नियम के अनुसार -

2 चंद्र के सामन है जो मुख -

3 सत् है जो जन -

4 शोक से आकुल -

5 बिना खटके -

6 दिन और रात -

7 गृह को आगत -

8 चार पायों का समूह -

9 गिरि का धारण किया है जिसने अर्थात् कृष्ण -

10 राम की भक्ति -

11 कला में कुशल -

12 कमल के समान चरण -

13 राधा और कृष्ण -

14 नीला है कंठ जिसका अर्थात् शिव -

- 15 मक्खन को चुराने वाला -
- 16 मृग के समान नेत्रों वाली (सुंदर स्त्री) -
- 17 माता और पिता -
- 18 क्रृष्ण से मुक्त -
- 19 तीन रंगों का ध्वज -
- 20 कनक के समान लता -
- 21 सेना का नायक -
- 22 अन्न और जल -
- 23 हाथ ही हाथ में -
- 24 आप पर बीती -
- 25 निशा में विचरण करने वाला अर्थात् राक्षस -

## अशुद्धि-शोधन

प्रश्न-1. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए:-

1 वह कमर कसा बैठा है।

2 मोर के पास सुंदर पंख होते हैं।

3 अनेकों व्यक्तियों में प्रदर्शनी देखी।

4 महात्मा गाँधी का देश सदा आभारी रहेगा।

5 लड़के ने रोटी खाया।

6 मेरे को दूध अच्छा नहीं लगता।

7 तुम्हारी पुस्तक कब आएगा?

8 तुम्हारा यह बात सुनने की कृपा करें।

9 हम उसके पास से आ रहा हूँ।

10 छोटे उम्र में उसके मौत हो गया।

11 हमने तो तुम्हें मना करा था।

12 पुस्तक मेज़ में रखा है।

13 उसके मन में दयालुता नहीं है।

14 मेरे तो यहाँ अनेकों लोग परिचित हैं।

15 आप थोड़ी देर यहीं रुको।

16 उसने हस्ताक्षर कर दिया।

17 वह लोग कहाँ रहता है?

18 तुम्हारी पिता जी कल आने वाली हैं।

19 क्या आप भोजन किए हैं?

20 इस भवन के गिरने का संदेह है।

21 उनका बहुत भारी सम्मान हुआ।

22 उसके मुँह से तो फूल गिरते हैं।

23 हम परस्पर आपस में लड़ते हैं।

24 मनहर की तो तकदीर ही टूट गई।

25 पुलिस के आते ही चोर दुम उठाकर भाग गया।

## वाक्य

प्रश्न-1 कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्य-परिवर्तन कीजिए:-

1 पुलिस ने गोली चलाकर भीड़ तितर-बितर की। (संयुक्त वाक्य)

2 बालक रोता रहा और चुप हो गया। (सरल वाक्य)

3 साहसी विद्यार्थी उन्नति करते हैं। (मिश्र वाक्य)

4 गुरु जी आए और कक्षा चुप हो गई। (सरल वाक्य)

5 रात के बारह बजे मैंने पढ़ना बंद कर दिया। (संयुक्त वाक्य)

6 नीरजा ने कहानी सुनाई और नमिता रो पड़ी। (मिश्र वाक्य)

7 धूप निकली और हम छत पर खेलने गए। (मिश्र वाक्य)

8 रात के बारह बजे मैंने पढ़ना बंद कर दिया। (संयुक्त वाक्य)

- 9 ज्यों ही अलार्म बजा वह उठकर खड़ी हो गई। (सरल वाक्य)
- 10 सड़क पार करता एक व्यक्ति बस से टकराकर मर गया। (मिश्र वाक्य)
- 11 यदि तुम निराश न हुए, तो अवश्य मैच जीत लोगो। (संयुक्त वाक्य)
- 12 अध्यापिका कक्षा में आई और सभी चुप हो गए। (सरल वाक्य)
- 13 बिछू के काटने पर मीना चीखने लगी। (संयुक्त वाक्य)
- 14 वह चोरी करके भाग रहा था लेकिन पुलिस ने पकड़ लिया। (मिश्र वाक्य)
- 15 उसे फल खरीदने थे इसलिए वह बाज़ार गया। (सरल वाक्य)
- 16 मेरे पास चाबी से चलने वाला खिलौना है। (संयुक्त वाक्य)
- 17 उनका विचार शीघ्र जाने का है। (मिश्र वाक्य)
- 18 सलोनी पुस्तकें खरीदने के लिए पुस्तक मेले में गई। (संयुक्त वाक्य)

- 19 जैसे ही शाम हुई, वह चली गई। (सरल वाक्य)
- 20 मैंने जब वे कविताएँ पढ़ीं तो मेरी आँखें भीग गईं। (संयुक्त वाक्य)
- 21 रात्रि के आठ बजे और मैंने पढ़ना बंद कर दिया। (मिश्र वाक्य)
- 22 मुझे सरकारी नौकरी करने वाली पत्नी चाहिए। (मिश्र वाक्य)
- 23 रोता हुआ बच्चा साइकिल से टकराया और गिर पड़ा। (सरल वाक्य)
- 24 मज़दूर को खूब मेहनत करने पर भी उसका लाभ नहीं मिलता। (संयुक्त वाक्य)
- 25 रात होते ही आकाश में तारों का मेला लग गया। (मिश्र वाक्य)

### दुख का अधिकार

**प्रश्न -1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

बाजार में, फुटपाथ पर कुछ खरबूजे डलिया में और कुछ ज़मीन पर बिक्री के लिए रखे जान पड़ते थे। खरबूजों के समीप एक अधेड़ उम्र की औरत बैठी रो रही थी। खरबूजे बिक्री के लिए थे, परंतु उन्हें खरीदने के लिए कोई कैसे आगे बढ़ता? खरबूजों को बेचनेवाली तो कपड़े से मुँह छिपाए सिर को घुटनों पर रखे फफक-फफककर रो रही थी।

पड़ोस की दुकानों के तख्तों पर बैठे या बाजार में खड़े लोग घृणा से उसी स्त्री के संबंध में बात कर रहे थे। उस स्त्री का रोना देखकर मन में एक व्यथा-सी उठी, पर उसके रोने का कारण जानने का उपाय क्या था? फुटपाथ पर उसके समीप बैठ सकने में मेरी पोशाक ही व्यवधान बन खड़ी हो गई।

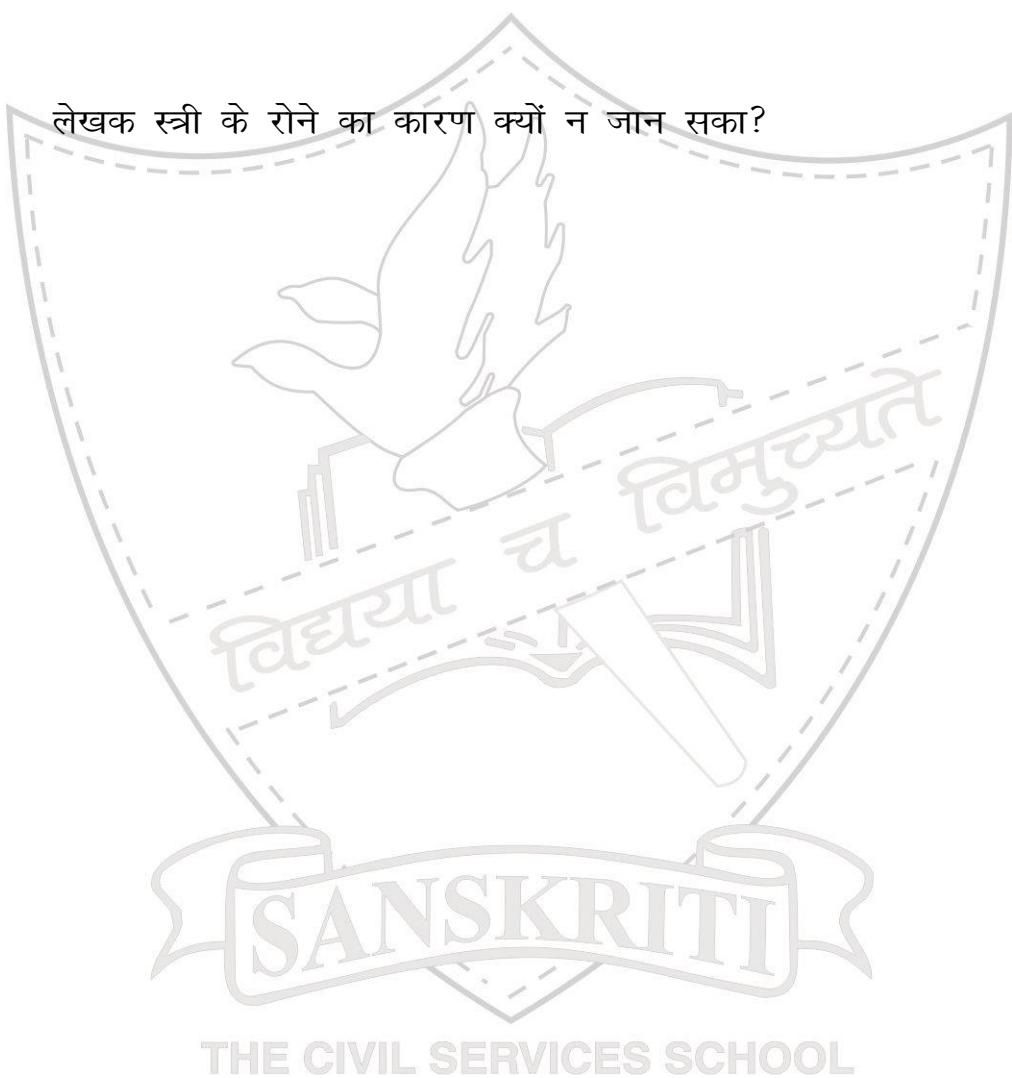
क. पाठ एवं लेखक का नाम बताइए।

ख. बाजार में लोग क्या कर रहे थे?

ग. कोई खरबूजों को खरीदने के लिए आगे क्यों नहीं बढ़ रहा था?

घ. उस स्त्री को देखकर लेखक को कैसा लगा?

ड. लेखक स्त्री के रोने का कारण क्यों न जान सका?



### एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

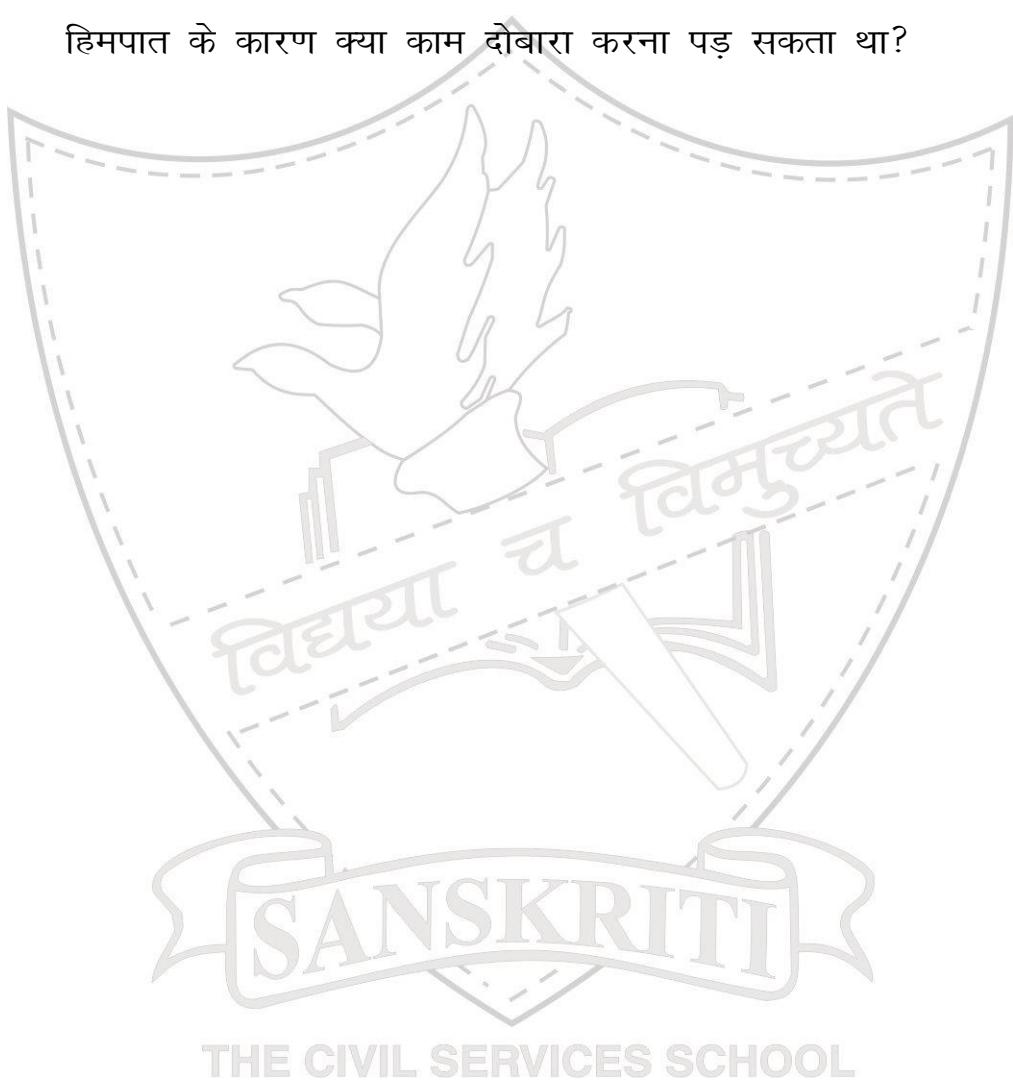
**प्रश्न -1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

इस समाचार के कारण अभियान दल के सदस्यों के चेहरों पर छाए अवसाद को देखकर हमारे नेता कर्नल खुल्लर ने स्पष्ट किया कि एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए। उपनेता प्रेमचंद, जो अग्रिम दल का नेतृत्व कर रहे थे, २६ मार्च को पैरिच लौट आए। उन्होंने हमारी पहली बड़ी बाधा खुंभु हिमपात की स्थिति से हमें अवगत कराया। उन्होंने कहा कि उनके दल ने कैप एक (६००० मी०), जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ कर दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा झंडियों से रास्ता चिह्नित कर, सभी बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है और बर्फ का गिरना अभी जारी है। हिमपात में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के किए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं और हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा करना पड़ सकता है।

- क. पाठ एवं लेखक का नाम बताइए।
- ख. कर्नल खुल्लर ने क्या स्पष्ट किया?
- ग. अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहे थे? उन्होंने किससे अवगत कराया?

घ. उन्होंने क्या-क्या काम पूरे होने के बारे में बताया?

ड. हिमपात के कारण क्या काम दोबारा करना पड़ सकता था?



### तुम कब जाओगे अतिथि

**प्रश्न -1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-  
सत्कार की ऊषा समाप्त हो रही थी। डिनर से चले थे, खिचड़ी पर आ गए। अब भी अगर तुम अपने बिस्तर को गोलाकार रूप प्रदान नहीं करते तो हमें उपवास तक जाना होगा। तुम्हारे-मेरे संबंध एक संक्रमण के दौर से गुज़र रहे हैं। तुम्हारे जाने का यह चरम क्षण है। तुम जाओ न अतिथि!

तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है न! मैं जानता हूँ। दूसरों के यहाँ अच्छा लगता है। अगर बस चलता तो सभी लोग दूसरों के यहाँ रहते, पर ऐसा नहीं हो सकता। अपने घर की महत्ता के गीत इसी कारण गए गए हैं। होम को इसी कारण स्वीट-होम कहा गया है कि लोग दूसरों के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें। तुम्हें यहाँ अच्छा लग रहा है, पर सोचो प्रिय, कि शराफत भी कोई चीज़ होती है और गेट आउट भी एक वाक्य है, जो बोला जा सकता है।

- क. पाठ एवं लेखक का नाम बताइए।
- ख. ‘सत्कार की ऊषा’ समाप्त होने से लेखक का क्या आशय है? इसका क्या परिणाम हुआ?
- ग. लेखक के अनुसार उपवास तक क्यों जाना पड़ेगा?
- घ. लेखक अतिथि के जाने के लिए यह चरम क्षण है, क्यों कहता है?

ड. लेखक क्या बात जानता है?

च. होम को 'स्वीटहोम' क्यों कहा गया है?

प्रश्न -2. 'तुम कब जाओगे, अतिथि!' पाठ के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है?

THE CIVIL SERVICES SCHOOL

### कीचड़ का काव्य

**प्रश्न -1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-  
हमारा अन्न कीचड़ में से ही पैदा होता है। इसका जाग्रत भान यदि हर एक मनुष्य को होता तो वह कभी कीचड़ का तिरस्कार न करता। एक अजीब बात तो देखिए। पंक शब्द घृणास्पद लगता है, जबकि पंकज शब्द सुनते ही कवि लोग डोलने और गाने लगते हैं। मल बिल्कुल मलिन माना जाता है किंतु कमल शब्द सुनते ही चित्त में प्रसन्नता और आह्लादकत्व फूट पड़ते हैं। कवियों की ऐसी युक्ति शून्य वृत्ति उनके सामने हम रखें तो वे कहेंगे कि “आप वासुदेव की पूजा करते हैं इसलिए वसुदेव को तो नहीं पूजते, हीरे का भारी मूल्य देते हैं किंतु कोयले या पत्थर का नहीं देते और मोती को कंठ से बाँधकर फिरते हैं किंतु उसकी मातुश्री को गले से नहीं बाँधते।

- क. पाठ एवं लेखक का नाम बताइए।
- ख. किस ज्ञान के बाद मनुष्य कीचड़ का तिरस्कार नहीं करता?
- ग. पंक और पंकज का संबंध स्पष्ट करते हुए बताइए कि लोग इनमें भेद क्यों करते हैं?
- घ. लेखक ने कवि की किस वृत्ति को युक्ति शून्य बताया है?

ङ. कवि कीचड़ के विरोध में क्या-क्या तर्क देते हैं?

च. अर्थ लिखिए:-  
i प्रसन्नता -

ii युक्ति -

iii मनुष्य -

iv तिरस्कार -

v पंक -

vi पंकज -

छ. 'वासुदेव' और 'वसुदेव' कौन हैं?

### धर्म की आड़

**प्रश्न-1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-  
 अजाँ देने, शंख बजाने, नाक दबाने और नमाज पढ़ने का नाम धर्म नहीं है। शुद्धाचरण और सदाचार ही धर्म के स्पष्ट चिह्न हैं। दो घंटे तक बैठकर पूजा कीजिए और पंच-वक्ता नमाज भी अदा कीजिए, परंतु ईश्वर को इस प्रकार रिश्वत के दे चुकने के पश्चात् यदि आप अपने को दिन-भर बेईमानी करने और दूसरों को तकलीफ पहुँचाने के लिए आज़ाद समझते हैं तो, इस धर्म को, अब आगे आने वाला समय कदापि नहीं टिकने देगा। अब तो, आपका पूजा-पाठ न देखा जाएगा, आपकी भलमनसाहत की कसौटी केवल आपका अचारण होगी। सबके कल्याण की दृष्टि से, आपको अपने आचरण को सुधारना पड़ेगा और यदि आप अपने आचरण को नहीं सुधारेंगे तो नमाज और रोज़े, पूजा और गायत्री आपको देश के अन्य लोगों की आज़ादी को रोंदने और देश-भर में उत्पातों का कीचड़ उछालने के लिए आज़ाद न छोड़ सकेगी।

क. लोखक किस-किस को धर्म नहीं मानता?

ख. किस धर्म को आगे टिकने नहीं दिया जाएगा?

ग. आगे चलकर क्या बात देखी जाएगी?

घ. किस बात की आज़ादी नहीं होगी?

च. समानार्थी शब्द लिखिए:- (दो-दो)  
i ईश्वर -

ii आज़ाद -

## शुक्रतारे के समान

**प्रश्न -1.** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-  
 बिहार और उत्तर प्रदेश के हज़ारों मील लंबे मैदान गंगा, यमुना और दूसरी नदियों के परम उपकारी, सोने की कीमत वाले 'गाद' के बने हैं। आप सौ-सौ कोस चल लीजिए रास्ते में सुपारी फोड़ने लायक एक पत्थर भी कहीं मिलेगा नहीं। इसी तरह महादेव के संपर्क में आने वाले किसी को भी ठेस या ठोकर की बात तो दूर रही, खुरदरी मिट्टी या कंकरी भी कभी चुभती नहीं थी। उनकी निर्मल प्रतिभा उनके संपर्क में आने वाले व्यक्ति को चंद्र-शुक्र की प्रभा के साथ दूधों नहला देती थी। उसमें सराबोर होने वाले के मन से उनकी इस मोहिनी का नशा कई-कई दिन तक उतरता न था।

क. कौन-से मैदान सोने की कीमत वाले गाद के बने हैं?

ख. सौ कोस चलने पर क्या अनुभव होता है?

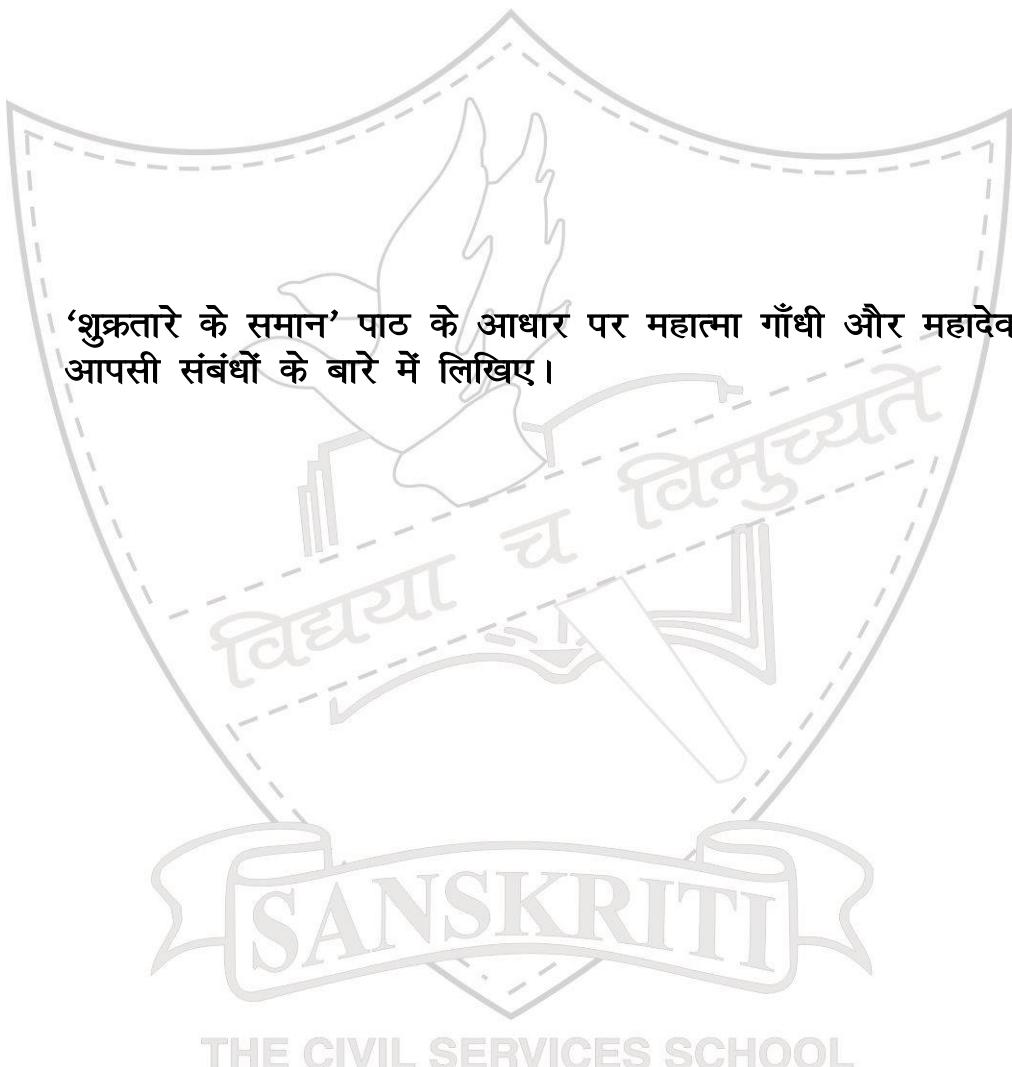
ग. महादेव के संपर्क की क्या विशेषता थी?

घ. महादेव भाई की मोहिनी का नशा कई दिनों तक क्यों नहीं उतरता था?

प्रश्न -2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. ‘शुक्रतारे के समान’ पाठ के आधार पर महादेव भाई के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

ख. ‘शुक्रतारे के समान’ पाठ के आधार पर महात्मा गाँधी और महादेव भाई के आपसी संबंधों के बारे में लिखिए।



## रैदास के पद

प्रश्न -1. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-  
 अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी ।  
 प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी ।  
 प्रभु जी, तुम धन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा ।  
 प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती ।  
 प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा ।  
 प्रभु जी, तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा ॥

- १ कवि को किसके नाम की रट लग गई है?
- २ कवि ने प्रभु की तुलना बादल से और अपनी मोर से क्यों की है?
- ३ अगर प्रभु मोती है, तो कवि क्या है?
- ४ कवि ने प्रभु की तुलना 'दीपक' और अपनी 'बाती' से क्यों की है?
- ५ कवि ने अपनी और भगवान की तुलना किस-किस से की है?

६ पद में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?

७

विलोम लिखिए -

i

स्वामी -

ii

रात -

८

समानार्थी लिखिए -

i

घन -

ii

दीपक -

iii

चंद्र -

SANSKRITI  
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

## रहीम के दोहे

- प्रश्न -1. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-
- नाद रीझि तन देत मृग, नर धन हेत समेत।  
 ते रहीम पशु ते अधिक, रीझेहु कछु न देत ॥  
 बिगरी बात बनै नहीं, लाख करौ किन कोय।  
 रहिमन फाटे दूध को, मथे न माखन होय ॥  
 1 मृग नाद को सुनकर अपने प्राण क्यों त्याग देता है?

2

कुछ लोग किसके बदले अपने प्राणों की आहुति दे देते हैं?

3

दोहे के आधार पर कवि ने किन्तु लोगों को पशुओं से भी अधिक गया-बीता कहा है?

4

लाख प्रयत्न करने पर भी बिगड़ी बात क्यों नहीं बन सकती?

5

लाख प्रयत्न करने पर भी क्या बनना मुश्किल है?

## आदमीनामा

प्रश्न -1. निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

मसज़िद भी आदमी ने बनाई है यां मियाँ  
 बनते हैं आदमी ही इमाम और खुतबाख्वाँ  
 पढ़ते हैं आदमी ही कुरआन और नमाज़ यां  
 और आदमी ही उनकी चुराते हैं जूतियाँ  
 जो उनको ताड़ता है सो है वो भी आदमी।

१ ‘आदमी’ शब्द किस-किस के लिए आया है?

२ ‘जूतियाँ चुराते हुओं को ताड़ने’ - से क्या अभिप्राय है?

३ ‘इमाम’ और ‘खुतबाख्वाँ’ में क्या अंतर है?

४ ‘आदमीनामा’ लिखने का उद्देश्य क्या रहा होगा?

प्रश्न ‘आदमीनामा’ कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।



### एक फूल की चाह

**प्रश्न -1.** निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

उसे देखने मरघट को ही गया दौड़ता हुआ वहाँ,  
मेरे परिचित बंधु प्रथम ही फूँक चुके थे उसे जहाँ।  
बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर छाती धधक उठी मेरी,  
हाय! फूल-सी कोमल बच्ची हुई राख की थी ढेरी!  
अंतिम बार गोद में बेटी, तुझको ले न सका मैं हा!  
एक फूल माँ का प्रसाद भी तुझको दे न सका मैं हा!

१ कवि और कविता का नाम बताइए।

२ ‘तुझे देखने मरघट को ही गया दौड़ता हुआ वहाँ’ – किसे देखने?

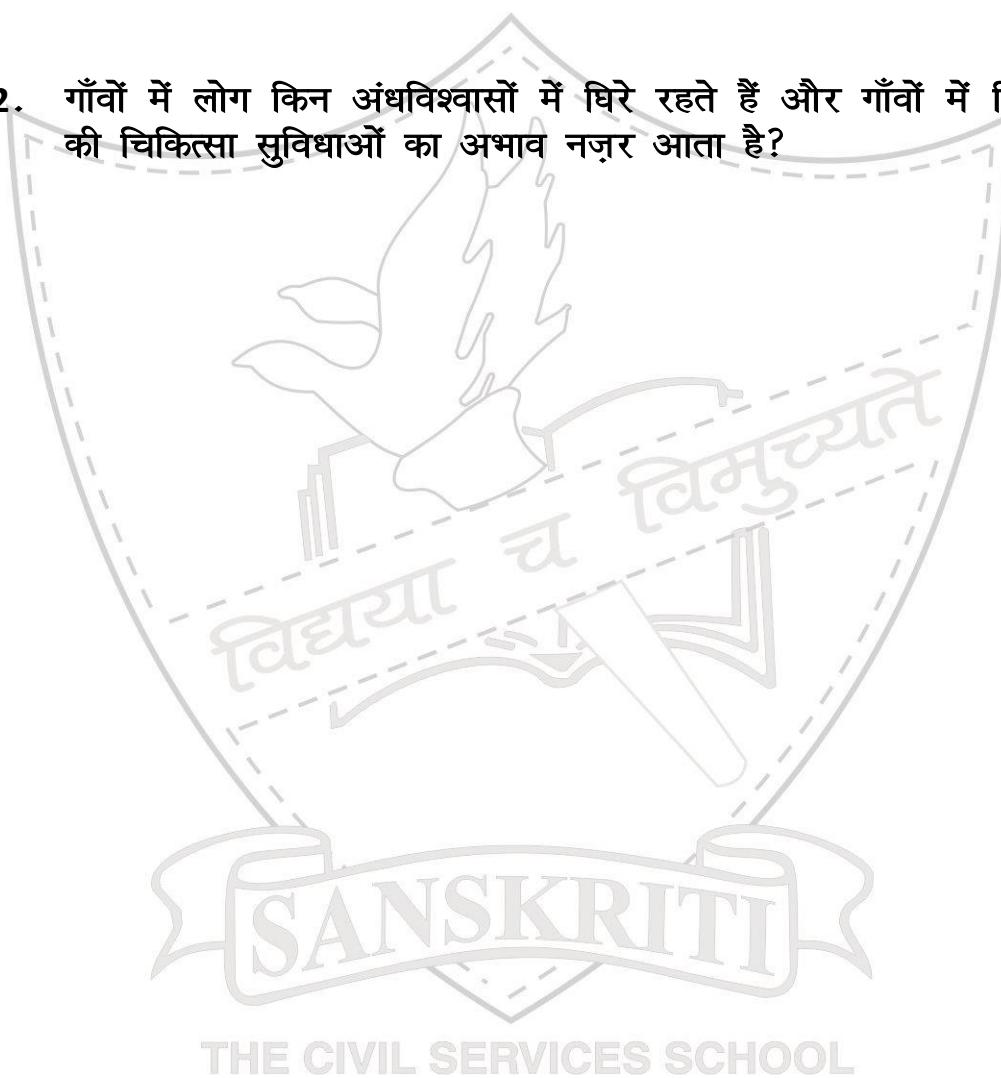
३ सुखिया का पिता मरघट में समय से क्यों नहीं पहुँच पाया था?

४ ‘फूल सी बच्ची’ और ‘राख की ढेरी होने’ का क्या अर्थ है?

**THE CIVIL SERVICES SCHOOL**

५ सुखिया के पिता के दिल में क्या हसरत बाकी रह गई?

प्रश्न -2. गाँवों में लोग किन अंधविश्वासों में घिरे रहते हैं और गाँवों में किस तरह की चिकित्सा सुविधाओं का अभाव नज़र आता है?



## अग्नि पथ

प्रश्न -1 निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

| अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!  
वृक्ष हों भले खड़े,  
हों धने, हो बड़े,  
एक पत्र-छाँह भी माँग मत, माँग मत, माँग मत!  
अग्नि पथ! अग्नि पथ! अग्नि पथ!

१ कवि मनुष्य को क्या शपथ दिला रहा है?

२ कवि मुश्किलों को देखकर क्या कहना चाहता है?

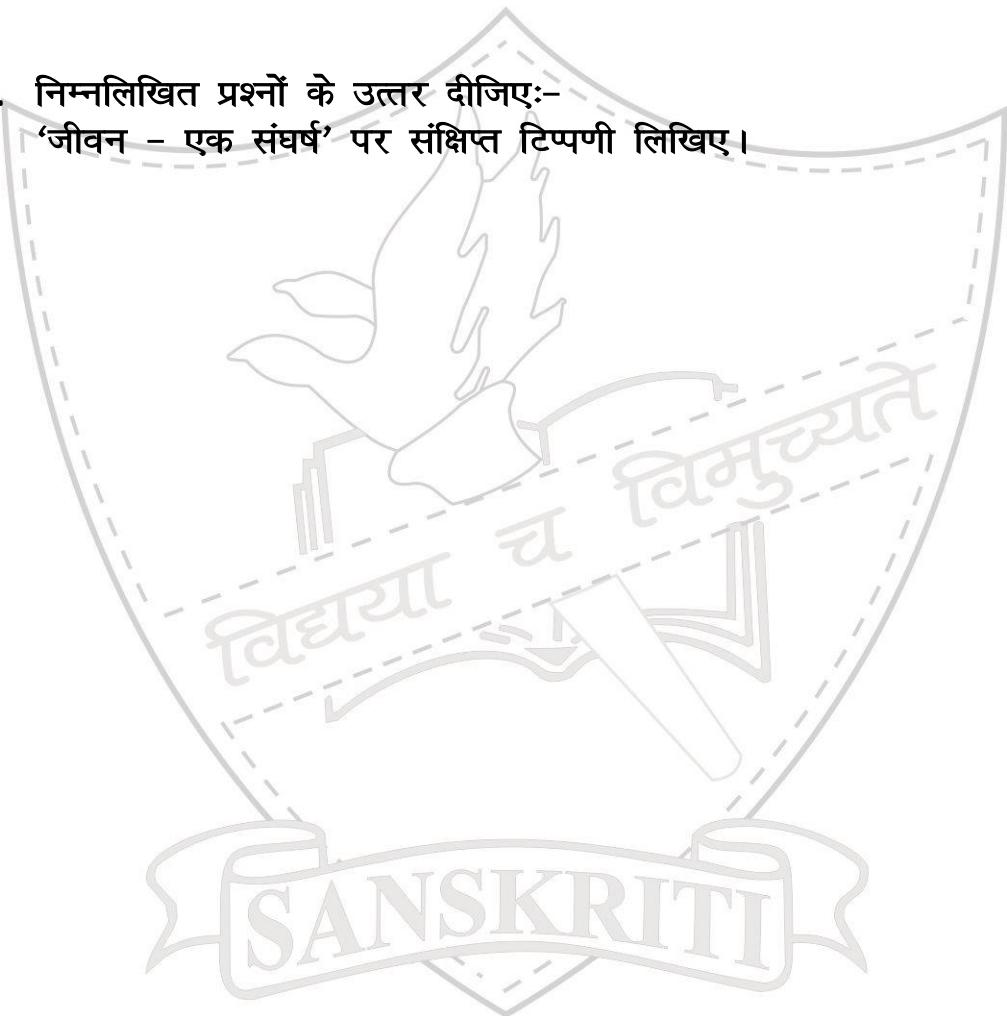
३ 'अग्नि पथ' रचना के कवि का नाम बताइए।

४ जो व्यक्ति मुसीबतों का सामना धैर्य से करता है उसे क्या प्राप्त होता है?

५ 'एक पत्र-छाँह भी माँग मत' - में 'छाँह' शब्द से क्या आशय है?

६. कवि ने 'अग्निपथ' शब्द पर इतना बल क्यों दिया है?

- प्रश्न -2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-  
क. 'जीवन - एक संघर्ष' पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।



SANSKRITI  
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

## अरुण कमल

प्रश्न निम्नलिखित पद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

- १ इन नए बसते इलाकों में  
जहाँ रोज़ बन रहे हैं नए-नए मकान  
मैं अकसर रास्ता भूल जाता हूँ  
धोखा दे जाते हैं पुराने निशान  
खोजता हूँ ताकता पीपल का पेड़  
खोजता हूँ ढहा हुआ घर  
और ज़मीन का खाली टुकड़ा जहाँ से बाएँ  
मुड़ना था मुझे  
फिर दो मकान बाद बिना रंगवाले लोहे के फाटक का  
घर था इकमंजिला  
और मैं हर बार एक घर पीछे  
चल देता हूँ  
या दो घर आगे ठकमकाता।
- २ प्रस्तुत काव्यांश के कवि और कविता का क्या नाम है?
- ३ 'नए बसते इलाकों में' कवि रास्ता क्यों भूल जाता है?
- ४ कवि एक घर पीछे या दो घर आगे क्यों चल देता है?

५ ‘मैं अक्सर रास्ता भूल जाता हूँ’ से कवि क्या कहना चाहता है?

॥ कई गलियों के बीच  
कई नालों के पार  
कूड़े-करकट  
के ढेरों के बाद  
बदबू से फटते जाते इस  
टोले के अंदर  
खुशबू रचते हैं हाथ  
खुशबू रचते हैं हाथ  
उभरी नसों वाले हाथ  
धिसे नाखूनोंवाले हाथ  
पीपल के पत्ते-से नए-नए हाथ  
जूही की डाल से खुशबूदार हाथ  
गंदे कटे-पिटे हाथ  
जख्म से फटे हुए हाथ  
खुशबू रचते हैं हाथ  
खुशबू रचते हैं हाथ।

९ कवि और कविता का नाम लिखिए।

२ खुशबू रचनेवाले लोग कहाँ रहते हैं?

३ इनकी दशा कैसी है?

- ४ खुशबू रचते हैं-से क्या अर्थ है?
- ५ ‘बदबू से फटते जाते इस टोले के अंदर खुशबू रचते हैं हाथ’ में - ‘बदबू’ और ‘खुशबू’ से कवि क्या कहना चाहते हैं -



## गिल्लू

प्रश्न -1. 'गिल्लू एक संवेदनशील प्राणी है' - स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न-2. यदि आपको महादेवी जी की तरह गिल्लू धायल अवस्था में मिला होता तो आप उसके साथ कैसा व्यवहार करते और क्यों?

SANSKRITI  
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

## स्मृति

प्रश्न -1. अगर लेखक को भाई साहब का डर न होता तो क्या वह चिट्ठियाँ न निकालता?

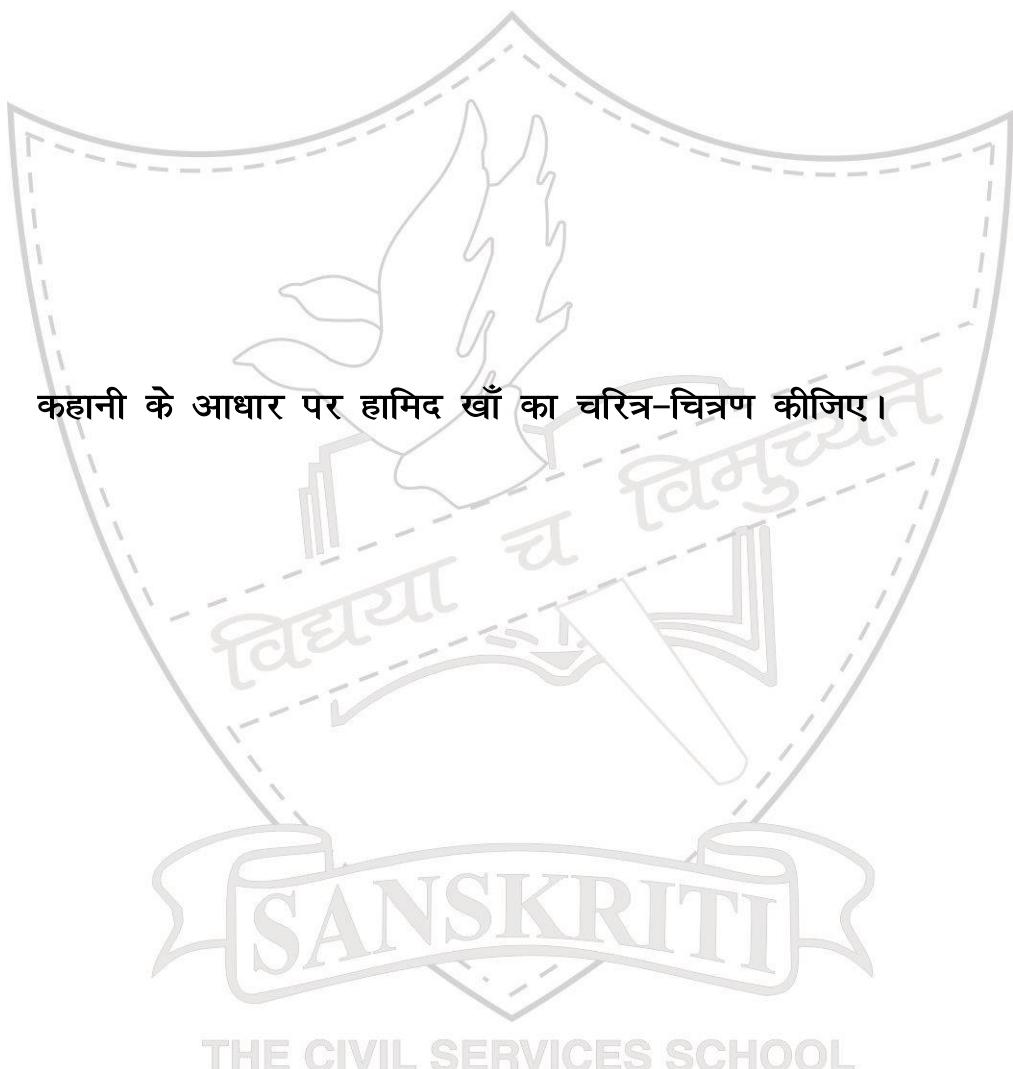


## हामिद खाँ

प्रश्न-1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक किन यादों में खो जाता है?

ख. कहानी के आधार पर हामिद खाँ का चरित्र-चित्रण कीजिए।



## दिए जल उठे

प्रश्न -1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क. वहाँ की जनसभा में गांधी जी ने किसका जिक्र किया?

ख. मही नदी पर कैसा दृश्य था?

ग. 'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर गांधीजी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।



## पत्र-लेखन

## अनौपचारिक पत्र का प्रारूप

अपनी नई कक्षा के बारे में बताते हुए अपने पिता को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन,

नई दिल्ली,

दिनांक -

आदरणीय पिताजी

सादर प्रणाम।

आशा है कि आप.....



माता जी तथा भइया को प्रणाम और छुटकी को व्यार।

आपका पुत्र / पुत्री,

क. ख. ग.

SANSKRITI  
THE CIVIL SERVICES SCHOOL

## पत्र

- 1 कक्षा नवीं में हिंदी विषय ही क्यों चुना, इस बारे में बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।
- 2 अपनी नई कक्षा के बारे में बताते हुए पत्र लिखिए।
- 3 भारत की गुरु-शिष्य-परंपरा के विषय में बताते हुए पत्र लिखिए।
- 4 सी.बी.एस.ई. द्वारा बोर्ड की वापसी पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अपनी सखी/मित्र को पत्र लिखिए।
- 5 दिल्ली सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए किए गए इंतज़ाम या सरकार द्वारा चलाए गए अभियान की अच्छाई और बुराई के बारे में बताते हुए अपने भाई को पत्र लिखिए।
- 6 गणतंत्र दिवस पर बहादुर बच्चों को उनके साहसी कारनामों के लिए वीरता पुरस्कार दिए जाते हैं, इसके बारे में बताते हुए अपने विदेशी मित्र को पत्र लिखिए।
- 7 दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए अपनी सखी अथवा अपने मित्र को पत्र लिखिए।
- 8 आपको पहली बार प्रधानाचार्य के हाथों पुरस्कार प्राप्त हुआ, अपने इस अनुभव को मित्र को पत्र लिखकर बताइए।
- 9 अपने मामा जी को पत्र लिखकर साक्षरता अभियान में अपनी भागीदारी का वर्णन कीजिए।
- 10 रक्षाबंधन के अवसर पर बड़ी बहन द्वारा भेजी गई राखी के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए तथा मन की भावनाओं को व्यक्त करते हुए पत्र लिखिए।
- 11 ‘स्वच्छ भारत अभियान’ : कितना सफल, कितना असफल - पर अपने विचार व्यक्त करते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

## अनुच्छेद-लेखन

### 1 भ्रष्टाचार : समस्या और निदान

- भ्रष्टाचार क्या है?
- भ्रष्टाचार के विभिन्न रूप यथा - रिश्वतखोरी, कालाबाज़ारी, मिलावट, जमाखोरी, तस्करी, भाई-भतीजावाद, पद का दुरुपयोग आदि।
- बेरोज़गारी
- भ्रष्टाचार रोकने के उपाय।

### 2 आतंकवाद : एक समस्या

- आतंकवाद क्या है?
- हत्या, लूटपाट द्वारा आतंकित करना आतंकवाद
- अशांति फैलाने का प्रयास
- आतंकवादियों के गुट या दल
- रोक लगाने के लिए अपने देश द्वारा तथा अंतर्राष्ट्रीय रूप में किए जाने वाले प्रयास।

### 3 भारत का प्राकृतिक सौंदर्य

- प्राकृतिक सौंदर्य का अर्थ
- भारत के समुद्र-तट, नदियाँ, पर्वत, हरियाली, रेगिस्तान
- विविध मौसम
- धर्म-संबंधी विविधताएँ आदि।

### 4 शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले

- देशभक्ति और शहीद
- साधारण मौत और शहीद होने में अंतर
- शहीद होना भाग्य की बात
- शहीद का जीवन सुगंध फैलाने वाले पूल की तरह।

### 5 आपके जीवन में शिक्षक की भूमिका

- आपकी दृष्टि में शिक्षक का अर्थ
- आपके जीवन में शिक्षक की भूमिका
- समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक का योगदान
- शिक्षा का सही उद्देश्य
- नैतिक मूल्यों का उत्थान।

6 विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन का महत्त्व

- अनुशासन का अर्थ
- अनुशासन का महत्त्व
- अनुशासन की आवश्यकता
- छात्र जीवन में अनुशासन का महत्त्व
- अनुशासनहीनता को दूर करने के उपाय।

7 राष्ट्र की प्रमुख समस्याएँ

- भारत समस्याओं का देश
- जनसंख्या वृद्धि
- अशिक्षा
- बेरोजगारी
- समस्याओं का समाधान।

8 मधुर वचन है औषधि

- मधुर वचन का महत्त्व
- मधुर वचन से लाभ
- कटुभाषी व्यक्ति निंदा का पात्र
- यह महापुरुषों का आभूषण

9 परीक्षा का भय

- परीक्षा का अर्थ
- इसकी आवश्यकता
- परीक्षा-भय के कारण
- परीक्षा-भय को दूर करने के उपाय

10 ग्लोबल वार्मिंग

- ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ
- ग्लोबल वार्मिंग के खतरे
- उनके प्रभाव
- बचाव हेतु उपाय

- 11 बेकारी की समस्या
- बेकारी का अर्थ
  - बेकारी-समस्या के प्रकार
  - इसके कारण और दुष्परिणाम
  - इसके निदान के संभावित उपाय।
- 12 युवा पीढ़ी पर दूरदर्शन का प्रभाव
- दूरदर्शन की व्यापकता
  - इसके अनेकानेक विभिन्न कार्यक्रम
  - युवाओं को प्रलुब्ध करने वाले विशेष कार्यक्रम
  - उनका प्रभाव
- 13 विज्ञापन
- विज्ञापन का अर्थ और इसकी आवश्यकता
  - विभिन्न प्रकार के विज्ञापन
  - विज्ञापनों के विभिन्न माध्यम
  - विज्ञापनों का प्रभाव और लाभ
- 14 दिशाहीन भारतीय युवा-पीढ़ी
- शिक्षित होकर भी दिशाहीन
  - रोज़गार न मिलना
  - हताशा एवं अपराध की प्रवृत्ति
  - रोज़गार तथा नैतिक शिक्षा की आवश्यकता।
- 15 यदि मेरी लॉटरी निकल आए तो!
- आशा पर ही संसार जीवित
  - विभिन्न कल्पनाएँ
  - व्यय की योजनाएँ
  - स्वार्थ एवं परार्थ की भावनाओं में तालमेल बिठाने का प्रयास
  -

16 परीक्षा के कठिन दिन

- परीक्षा : जीवन की कसौटी
- परीक्षा की उपयोगिता
- समुचित तैयारी और सफलता

17 प्लास्टिक की दुनिया

- विज्ञान का वरदान : प्लास्टिक
- प्लास्टिक के विभिन्न प्रयोग
- प्लास्टिक के दुष्प्रभाव
- रोकथाम के उपाय

18 सच्चा मित्र

- सच्चे मित्र की पहचान
- मित्रता का महत्व
- सच्ची मित्रता के लिए स्वयं क्या करें?
- मित्रता : जीवन के लिए वरदान

19 मेट्रो रेल : एक उत्तम साधन

- स्वरूप व प्रारंभ
- उपयोगिता एवं महत्व
- समय और धन दोनों की बचत

20 सड़कों पर जमा भीड़

- सड़के नगर को जोड़ती हैं
- भीड़ जमा होने के कारण
- लोगों का असंभावित व्यवहार
- पुलिस की समस्या
- लोगों का जल्दबाज़ी भरा स्वभाव

## संवाद-लेखन

### महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश

संवाद का शाब्दिक अर्थ है - बातचीत। सम्+वाद से बना है - संवाद, जिसका अर्थ है - सम्यक बोलना।

दो या दो से अधिक लोगों में हो रही बातचीत ही संवाद कहलाता है। नाटकों में संवाद का बहुत महत्व होता है। कक्षा में संवाद के माध्यम से विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होता है।

**संवाद के विषय में ध्यान रखने योग्य महत्वपूर्ण बिंदु -**

- संवाद विषयानुकूल व भावानुकूल होने चाहिए।
- हाव-भावों को बनाने का प्रयास करना चाहिए।
- संवाद की आवाज़ इतनी अवश्य हो कि वह स्पष्ट सुनाई दे।
- संवाद कथन में आरोह-अवरोह का पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए।

**बढ़ती हुई महँगाई के विषय में पूनम और कुसुम के बीच संवाद**

- पूनम - कुसुम! क्या तुमने आज का अखबार पढ़ा?
- कुसुम - हाँ, बढ़ती महँगाई ने तो दिल्लीवालों का जीना हराम कर दिया है।
- पूनम - अरे! तुमने पढ़ा, दूध की कीमत में और ऑटोरिक्शा के किराए में कितनी बढ़ोतरी हुई है।
- कुसुम - सरकार आम जनता को मूर्ख समझती है। पेट्रोल के दाम घटाकर रोजमर्ग की चीज़ों के दाम बढ़ा दिए।
- पूनम - बेचारे गरीब बच्चों का क्या होगा। जो थोड़ा-बहुत दूध उन्हें नसीब होता था वह भी उन्हें अब मिलने से रहा।
- कुसुम - जब भी महँगाई बढ़ती है ज्यादा असर निम्नवर्ग व मध्यमवर्ग पर पड़ता है। अमीर लोगों पर इसका असर नहीं होता जितना गरीबों पर होता है।
- पूनम - नहीं, ऐसी बात नहीं है। असर उन पर भी होता है। पर आय अधिक होने से उन पर महँगाई की मार का असर उतना नहीं होता जितना गरीबों पर होता है।
- कुसुम - ऑटोवाले पहले भी मनमानी करते थे, अब भी करेंगे। लेकिन सरकार को रोजमर्ग की चीज़ों के दाम ज्यादा नहीं बढ़ाने चाहिए।
- पूनम - हाँ, मैं तुम्हारी बात से बिल्कुल सहमत हूँ। इधर सरकार गरीबी हटाओ के नारे लगाती है उधर महँगाई बढ़ाती है, ऐसे में आम जनता करे भी तो क्या?
- कुसुम - हालत यही रही तो आम आदमी का दिल्ली में रहना ही मुश्किल हो जाएगा।
- पूनम - हाँ, बिल्कुल सही कह रही हो। अच्छा, मैं चलती हूँ। बच्चों की बस का समय हो गया।

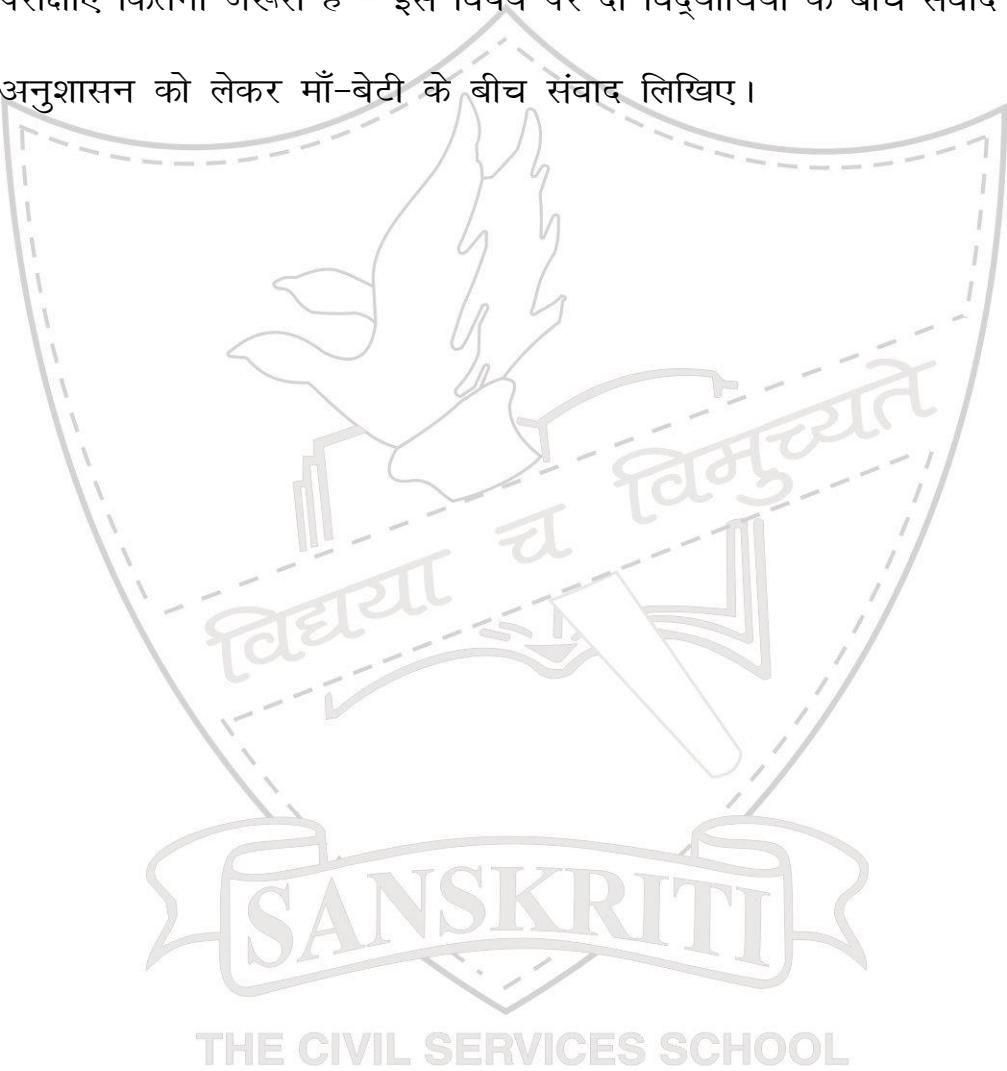
कुसुम - ठीक है।

## अभ्यास

- 1 एन.सी.सी. कैंप में जाने के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में दो मित्रों के बीच संवाद लिखिए।
- 2 चोरी की घटनाओं को लेकर दो पड़ोसियों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।
- 3 बेरोजगारी पर दो मित्रों में संवाद लिखिए।
- 4 यात्रा के दौरान दो यात्रियों के बीच आतंकवाद की समस्या पर हो रहे बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 5 स्कूल में प्रवेश की समस्या के संबंध में अभिभावकों की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।
- 6 डॉक्टर और रोगी के मध्य बातचीत पर संवाद लिखिए।
- 7 अपने पुत्र को सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में प्रवेश दिलाने के लिए पति-पत्नी की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 8 देश में बढ़ रही आतंकवादी घटनाओं पर दो पड़ोसियों की बातचीत संवाद के रूप में लिखिए।
- 9 अपने लक्ष्य को लेकर दो मित्रों की बातचीत संवाद के रूप में लिखिए।
- 10 आधुनिक शैली के वस्त्रों के संबंध में दो महिलाओं की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 11 परीक्षा भवन के बाहर दो छात्रों की बातचीत लिखिए।

- 12 किसान और मंडी के व्यापारी की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 13 यात्री और बस-परिचालक के बीच संवाद लिखिए।
- 14 बस में किसी अपरिचित से मित्रता करते हुए यात्रियों के बीच संवाद लिखिए।
- 15 बैंक में नया खाता खुलवाने को लेकर ग्राहक और बैंक मैनेजर की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 16 अपने भाई के जन्मदिवस पर मित्र को आमंत्रित करते हुए दूरभाष पर होने वाला संवाद लिखिए।
- 17 मित्रों के साथ शिमला पिकनिक जाने हेतु मोहिता और उसकी माता जी के बीच संवाद लिखिए।
- 18 किसी प्राइवेट बैंक में नौकरी हेतु साक्षात्कार (इंटरव्यू) देने आए दो उम्मीदवारों के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 19 प्रदूषण की समस्या पर चिंता प्रकट करते हुए आकाश और आदित्य के बीच की बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए।
- 20 ‘इंटरनेट बना दिमागी बुखार’ विषय पर शिक्षक और छात्रों के बीच संवाद लिखिए।
- 21 ‘रटंत विद्या को न अपनाएँ’ विषय पर माँ और बेटी के बीच संवाद लिखिए।
- 22 ‘व्यायाम और खेल’ विषय पर पिता और पुत्र के बीच संवाद लिखिए।
- 23 ‘भारतीय पर्व’ विषय पर शिक्षक और विद्यार्थी के बीच संवाद लिखिए।
- 24 ‘फैशन का बढ़ता प्रभाव’ विषय पर माँ और बेटी के बीच संवाद लिखिए।
- 25 ‘पुस्तक मेला’ विषय पर अंकित और नितिन के बीच संवाद लिखिए।

- 26 अध्यापिका की प्रशंसा करते हुए दो विद्यार्थियों के बीच संवाद लिखिए।
- 27 दिल्ली के यातायात को लेकर हो रही परेशानी पर सड़क में चलते हुए दो लोगों की बीच बातचीत लिखिए।
- 28 स्कूलों में बढ़ते क्राइम पर अध्यापक और विद्यार्थी के बीच संवाद लिखिए।
- 29 परीक्षाएँ कितनी जरूरी हैं - इस विषय पर दो विद्यार्थियों के बीच संवाद लिखिए।
- 30 अनुशासन को लेकर माँ-बेटी के बीच संवाद लिखिए।



## विज्ञापन-लेखन

### महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश

आज का युग विज्ञापन का युग है। दूरदर्शन के कार्यक्रम हों, पत्र-पत्रिकाएँ हों या शहर की ऊँची दीवारें हो-सब तरफ विज्ञापन नज़र आते हैं।

विज्ञापन का उद्देश्य ही प्रचार-प्रसार द्वारा प्रचारकर्ता और आम जनता के बीच संपर्क स्थापित करना है। बड़ी-बड़ी कर्पनियाँ एवं उत्पादक अपने उत्पादनों को प्रचारित करने के लिए भाँति-भाँति के विज्ञापनों का सहारा लेते हैं। इस प्रकार विज्ञापन उत्पादक और उपभोक्ता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। विज्ञापनों को देखकर ही हमें नई-नई वस्तुओं के बारे में जानकारी मिलती है। वस्तुओं का चुनाव करने में मदद मिलती है। विज्ञापन हमारे मन को निश्चित रूप से प्रभावित करते हैं।

**विज्ञापन बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना आवश्यक होता है -**

- विज्ञापन के लिए बनाया गया चित्र रंगीन, स्पष्ट एवं आकर्षक होना चाहिए।
- वस्तु की गुणवत्ता की सही जानकारी देनी चाहिए। बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताना चाहिए।
- लुभावने दृश्यों द्वारा गुमराह नहीं करना चाहिए।
- प्रस्तुतीकरण इतना आकर्षक होना चाहिए कि ग्राहक प्रेरित हो जाए और वस्तु को खरीद ले।

### अभ्यास

- 1 ‘तेज़ पेंसिल’ – नामक पेंसिल के लिए 30-35 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन लिखिए।
- 2 ‘राजधानी नमक’ – नामक नमक के लिए 30-35 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन लिखिए।
- 3 ‘निशात नारियल तेल’ के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 4 ‘शाइन टूथपेस्ट’ के लिए एक विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 5 ‘ग्लोरी डिटर्जेंट’ नामक डिटर्जेंट के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 6 ‘मॉडर्न आइसक्रीम’ नामक आइसक्रीम के लिए 20-25 शब्दों में एक आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 7 ‘माधव मक्खन’ नामक मक्खन के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 8 टूटते बालों को रोकने वाले किसी तेल के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।

- 9 खिलौनों के विक्रेता हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 10 चॉकलेट के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 11 मोबाइल के लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 12 साड़ियों की सेल लगी है, इसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 13 वाद्र्ययंत्र विक्रेता हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 14 आप एक नया मोबाइल शोरूम खोलने जा रहे हैं, उसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 15 इलेक्ट्रॉनिक्स विक्रेता हेतु आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 16 स्मूजिक टीचर के आवेदन हेतु विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 17 ‘सरस डेरी : शुद्धता की पहचान’ पर विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 18 ‘सैकेंड हैंड किताबों पर सेल’ पर विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 19 मार्किट में एक नई चॉकलेट आई है, उसके लिए विज्ञापन तैयार कीजिए।
- 20 ‘एक ऐसी जैकेट जिसे पहनकर आप अदृश्य हो सकते हैं’ - विज्ञापन तैयार कीजिए।

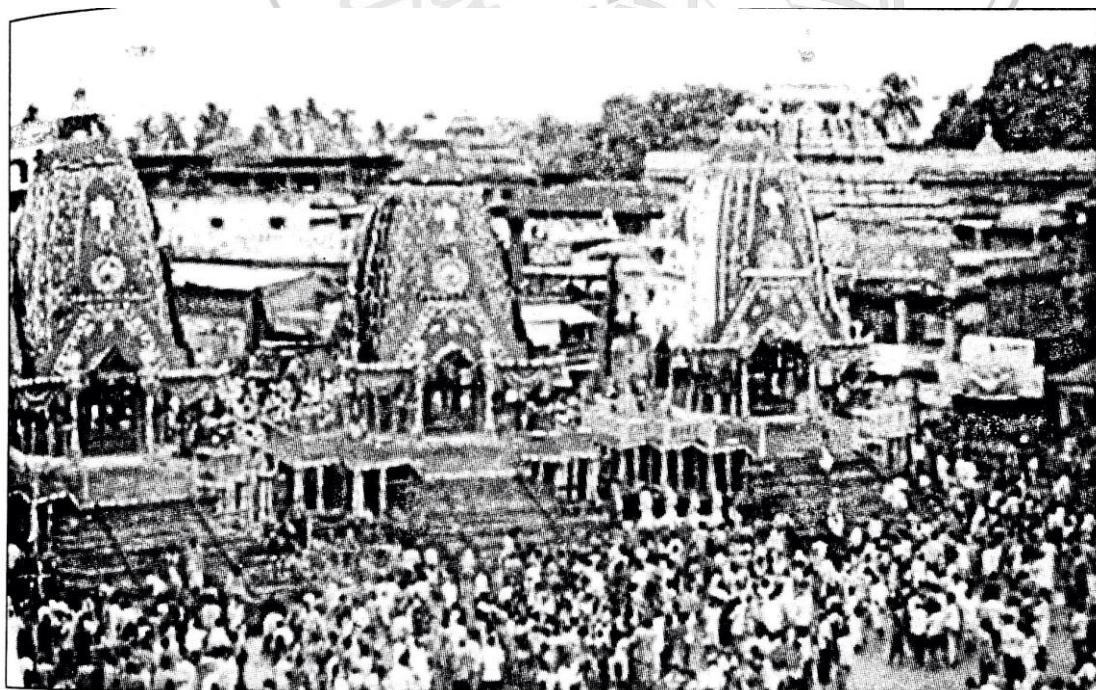


### चित्र-वर्णन

चित्र-वर्णन एक ऐसी कला है जिसमें मन के भाव प्रकट होते हैं। चित्र को देखकर आपके मन में जो भाव उठते हैं, उन्हें आप लिखकर प्रकट करते हैं। यही चित्र-वर्णन कहलाता है। जो विद्यार्थी जितना अधिक कुशाग्रबुद्धि, भावुक, कल्ननाशील और चतुर होगा वह उतनी ही कुशलता से चित्रों का अध्ययन कर सकेगा।

#### चित्र-वर्णन में ध्यान रखने योग्य बातें

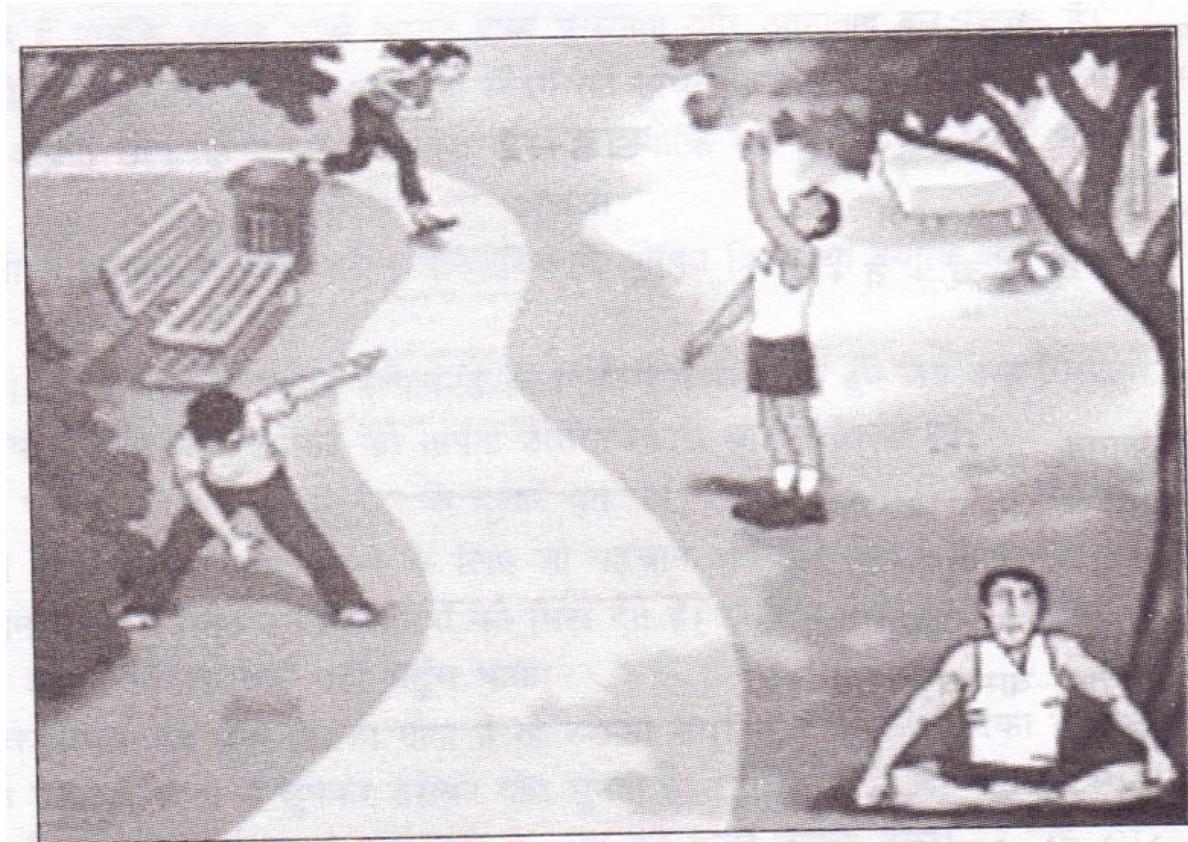
१. चित्र को देखकर सबसे पहले उसका शीर्षक तय करना चाहिए।
२. चित्र को सूक्ष्मता से देखें, दिखाई देने वाले लोगों के चेहरे के भावों तथा क्रियाओं का चित्र के साथ संबंध समझने का प्रयास करें।
३. विवेचना करते समय अत्यंत सजग एवं जागरूक रहने की आवश्यकता होती है।
४. चित्र-वर्णन के लिए निर्धारित शब्दों को ध्यान में रखकर ही वर्णन करना चाहिए।
५. प्रथम वाक्य ऐसा होना चाहिए कि पाठक के मन में जिज्ञासा उत्पन्न हो जाए।
६. प्रथम एवं अंतिम वाक्य प्रभावोत्पादक होना चाहिए।





SANSKRITI

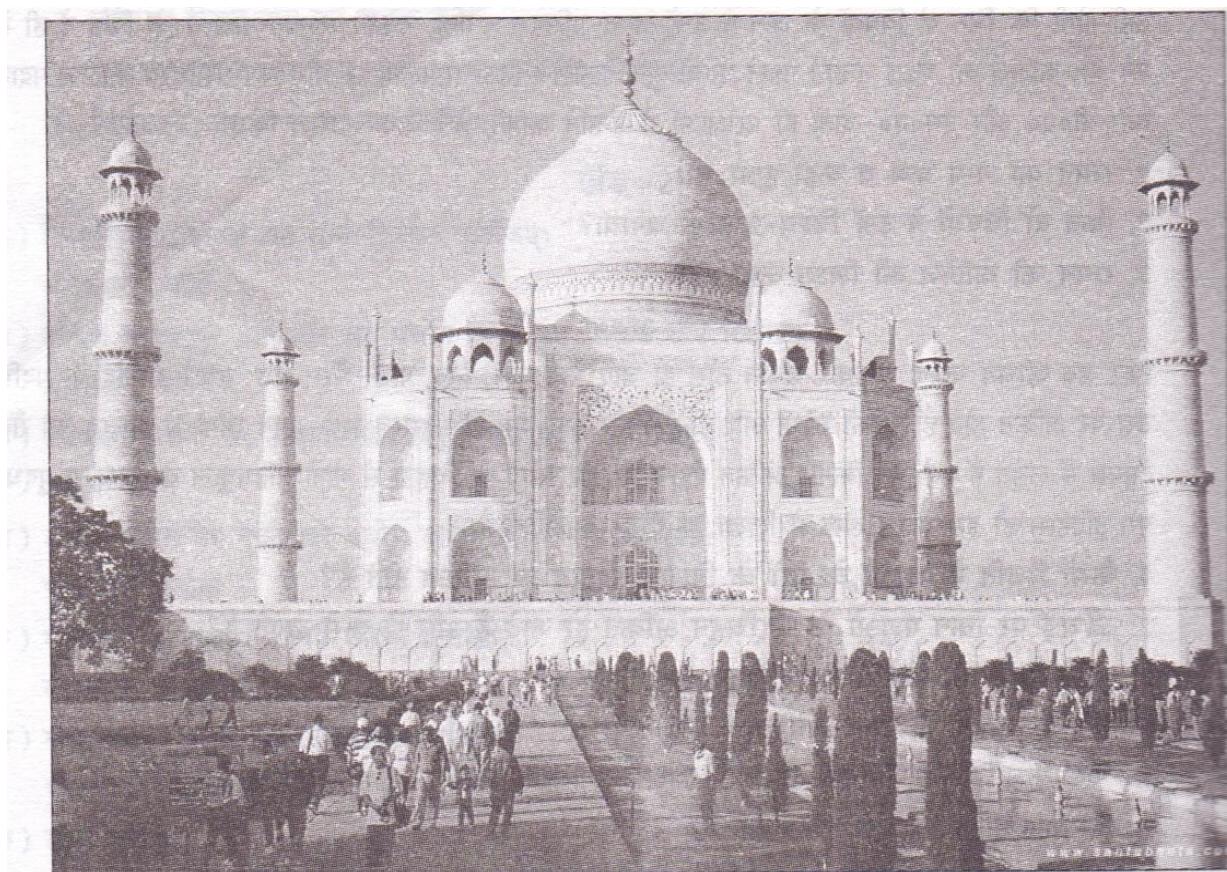
THE CIVIL SERVICES SCHOOL



तद्यथा च एवं

SANSKRITI

THE CIVIL SERVICES SCHOOL



**शैक्षिक सत्र 2019-20  
प्रथम सत्रीय परीक्षा  
विषय - हिंदी  
कक्षा - M/4/1**

समय: तीन घण्टे

अधिकतम अंक: 80

- एक कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में मुद्रित पृष्ठ 5 हैं।
- दो कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 17 प्रश्न हैं।
- तीन इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**निर्देश:** 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।

2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

खंड 'क'

**प्रश्न-1** निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

हम जंग न होने देंगे।

विश्व-शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे।

कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी

खेत-खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी

आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा

एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी

युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।

जंग न होने देंगे

हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा

मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा

कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर

दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा

कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे।

जंग न होने देंगे

हमें चाहिए शांति, ज़िंदगी हमको प्यारी

हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी

हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से

आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी।

हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे।

जंग न होने देंगे।

क. पद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

1

ख. 'एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी'-भाव स्पष्ट कीजिए।

1

ग. विश्व शांति के लिए क्या आवश्यक है?

1

घ. कफ़न बेचने वालों के दो अन्य काम क्या हैं?

2

ड. ‘जंग’ का पर्यायवाची लिखिए।

1

## अथवा

कैदी हमें बना क्यों रखा,  
हमने क्या अपराध किया है?  
अरे मनुज, तुम हमें बताओ,  
हमने कौन बिगाड़ किया है?  
हम निश्चित उड़ा करती हैं,  
कैदी नहीं बनाओ तुम।  
खाने की परवाह न हमको,  
दाने नहीं दिखाओ तुम॥  
हमें सुहाता नीड़ घास का,  
नहीं हमें लोहे का डर।  
तुम्हें प्रकृति से डर होता है,  
नहीं हमें है उसका डर॥  
पेड़ों की ही हरी डाल पर,  
हमें फुटकना आता है।  
और उसी पर गाते-गाते,  
जीवन-रस मिल जाता है॥

क. मनुष्य ने चिड़िया को क्या बना रखा है?

1

ख. चिड़िया मनुज से क्या कहती है?

1

ग. चिड़िया किसकी परवाह नहीं करती?

1

घ. चिड़िया को क्या सुहाता है और उसे किसका डर नहीं है?

2

ड. गाते-गाते चिड़िया को क्या मिल जाता है?

1

**प्रश्न-2** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

मनुष्य नाशवान प्राणी है। वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है। अन्य लोगों की भाँति महापुरुष भी नाशवान हैं। वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किए जाते हैं। उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ-साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं। ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं, वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार स्वयं को ढाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया है, उनमें गाँधी जी को आज भी इतना महान नहीं माना जाता किंतु यह भी सत्य है कि भविष्य में उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा क्योंकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को ही विभिन्न भागों में नहीं बाँटा, बल्कि जीवन की धारा को ही सदा एक और अविभाज्य माना। गाँधी जी ने मानव-जीवन के नव-कथानक की व्याख्या न किसी हृदय को स्पर्श करने वाले वीरकाव्य की भाँति की और न ही किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति ही। उन्होंने मानव-जीवन को किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा करने और किसी विचार के प्रति

खुद को पूरी तरह अर्पित करके लगातार चलने वाले संघर्ष से भरे नाटक की भाँति माना है। गाँधी जी ने सदा साध्य को ही महत्व नहीं दिया, बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा। साध्य के साथ-साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए।

क.	सामान्य मनुष्य और महापुरुष में क्या अंतर है?	2
ख.	महापुरुषों को क्यों याद किया जाता है?	1
ग.	गाँधी जी को भविष्य में सबसे बड़ा क्यों माना जाएगा?	1
घ.	गाँधी जी ने मानव-जीवन की व्याख्या किस प्रकार की है?	1
ड.	'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।	1
च.	साध्य और साधन के विषय में गाँधी जी के क्या विचार थे?	2
छ.	गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1

### खंड 'ख'

प्रश्न-3क	निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:- (कोई दो) कक्षा, राजपत्रित, आश्चर्य।।	2
ख.	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए:- (कोई दो) सम्बाद, जड़गली, मेहन्दी।	1
ग.	निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए:- (कोई दो) मा, हसना, चाद।	1
घ.	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए:- (कोई दो) जमीन, काफिला, इजाजत।	1
प्रश्न-4क	उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए:- (कोई एक) अ, सद्।	1
ख.	निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए:- (कोई दो) तबलची, देवरानी, बढ़िया।	2
प्रश्न-5क	निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए:- (कोई दो) गिरीश, सदैव, महाशय।	2
ख.	किन्हीं दो की संधि कीजिए:- अति+अधिक, पो+इत्र, उत्+लेख	2
प्रश्न-6	निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम-चिह्न लगाइए:- (कोई तीन)	3
i.	ओह तुम कहाँ जाओगे	
ii.	वह हाथ जोड़ता रहा वे लोग उसे पीटते रहे	
iii.	अभिज्ञान शाकुंतलाम महाकवि कालिदास की अमर रचना है	

iv. सुख दुख सभी क्या विधि के हाथ में है

### खंड 'ग'

प्रश्न-7	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-	
क.	अतिथि के न जाने पर लेखक के मन में क्या विचार चल रहे थे?	2
ख.	'दुःख का अधिकार' पाठ का शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? स्पष्ट कीजिए।	2
ग.	एवरेस्ट की ओटी पर पहुँचकर बचेंद्रीपाल ने किसके प्रति सम्मान प्रकट किया?	1

प्रश्न-8 'एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर बचेंद्रीपाल के चरित्र की प्रमुख विशेषाएँ लिखिए।

### अथवा

'दुःख का अधिकार' पाठ का लेखक बुढ़िया के रोने का कारण क्यों नहीं जान पा रहा था? यदि आप लेखक की जगह होते तो क्या करते?

5

प्रश्न-9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

क	रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है?	2
ख.	'अब कैसे छूटै राम नाम रट लागी' पद का भाव स्पष्ट कीजिए।	2
ग.	'आदमीनामा' कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है?	1

प्रश्न-10 'आदमीनामा' कविता के आधार पर आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

### अथवा

भक्त कवि रैदास की भक्ति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5

प्रश्न-11 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:-

क.	लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय क्यों लिया?	3
ख.	सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में कौन-से विचार उमड़ने लगे?	3

प्रश्न-12 निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:-

क.	कुएँ के विषय वाली घटना क्या थी उसे सुनकर लेखक की माँ ने क्या प्रतिक्रिया की?	2
ख.	भूख लगने पर गिलू किस तरह संकेत देता था? उसे भोजन कैसे मिलता था?	2

### खंड 'घ'

प्रश्न-13 बढ़ती महँगाई पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने मित्र/अपनी सखी को पत्र लिखिए।

### अथवा

हिंदी की परीक्षा में सौ प्रतिशत अंक लेकर सफल होने वाले मित्र को

5

बधाई देते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न-14 किसी नामी कंपनी के मोबाइल फोन अथवा टी.वी. का एक विज्ञापन 5  
बनाइए।

प्रश्न-15 छात्रों पर पढ़ाई के बढ़ते दबाव को लेकर दो अभिभावकों की  
बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।  
अथवा

दो बच्चों की क्रिकेट मैच पर बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के  
रूप में लिखिए।

प्रश्न-16 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत 5  
बिंदुओं के आधार पर 100-125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:-

क. ‘शक्तिरूपा’ नारी का योगदान

- नारी के गुण
- वर्तमान नारी
- दोहरी भूमिका
- निष्कर्ष

ख. परोपकार ही सच्चा जीवन है

- स्वार्थी होता मनुष्य
- प्रकृति से सीख
- देने से घटता नहीं बढ़ता है
- दूसरों के लिए जीना ही मनुष्यता।

ग. मेट्रो रेल-महानगरीय सुखद सपना

- महानगरों की भीड़
- प्रदूषण की समस्या
- मेट्रो रेल योजना
- मेट्रो रेल के लाभ

प्रश्न-17 नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए। 5



**शैक्षिक सत्र 2019-20  
प्रथम सत्रीय परीक्षा  
विषय - हिंदी  
कक्षा - M/4/2**

समय: तीन घण्टे

अधिकतम अंक: 80

- ☛ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में मुद्रित पृष्ठ 5 हैं।
- ☛ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 17 प्रश्न हैं।
- ☛ इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**निर्देश:** 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।  
 2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

**खंड 'क'**

**प्रश्न-1** निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

मनुष्य नाशवान प्राणी है। वह जन्म लेने के बाद मरता अवश्य है। अन्य लोगों की भाँति महापुरुष भी नाशवान हैं। वे भी समय आने पर अपना शरीर छोड़ देते हैं, पर वे मरकर भी अमर हो जाते हैं। वे अपने पीछे छोड़े गए कार्य के कारण अन्य लोगों द्वारा याद किए जाते हैं। उनके ये कार्य चिरस्थायी होते हैं और समय के साथ-साथ परिणाम और बल में बढ़ते जाते हैं। ऐसे कार्य के पीछे जो उच्च आदर्श होते हैं, वे स्थायी होते हैं और बदली परिस्थितियों में नए वातावरण के अनुसार स्वयं को ढाल लेते हैं। संसार ने पिछली पच्चीस शताब्दियों से भी अधिक जितने भी महापुरुषों को जन्म दिया है, उनमें गाँधी जी को आज भी इतना महान नहीं माना जाता किंतु यह भी सत्य है कि भविष्य में उन्हें सबसे बड़ा माना जाएगा क्योंकि उन्होंने अपने जीवन की गतिविधियों को ही विभिन्न भागों में नहीं बाँटा, बल्कि जीवन की धारा को ही सदा एक और अविभाज्य माना। गाँधी जी ने मानव-जीवन के नव-कथानक की व्याख्या न किसी हृदय को स्पर्श करने वाले वीरकाव्य की भाँति की और न ही किसी दार्शनिक महाकाव्य की भाँति ही। उन्होंने मानव-जीवन को किसी ध्येय की पूर्ति के लिए सेवा करने और किसी विचार के प्रति खुद को पूरी तरह अर्पित करके लगातार चलने वाले संघर्ष से भरे नाटक की भाँति माना है। गाँधी जी ने सदा साध्य को ही महत्त्व नहीं दिया, बल्कि उस साध्य को पूरा करने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों का भी ध्यान रखा। साध्य के साथ-साथ उसकी पूर्ति के लिए अपनाए गए साधन भी उपयुक्त होने चाहिए।

क.	सामान्य मनुष्य और महापुरुष में क्या अंतर है?	2
ख.	महापुरुषों को क्यों याद किया जाता है?	1
ग.	गाँधी जी को भविष्य में सबसे बड़ा क्यों माना जाएगा?	1

घ.	गाँधी जी ने मानव-जीवन की व्याख्या किस प्रकार की है?	1
ङ.	‘इक’ प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।	1
च.	साध्य और साधन के विषय में गाँधी जी के क्या विचार थे?	2
छ.	गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1

प्रश्न-2 निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

हम जंग न होने देंगे।

विश्व-शांति के हम साधक हैं, जंग न होने देंगे।

कभी न खेतों में फिर खूनी खाद फलेगी

खेत-खलिहानों में नहीं मौत की फ़सल खिलेगी

आसमान फिर कभी न अंगारे उगलेगा

एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी

युद्धविहीन विश्व का सपना भंग न होने देंगे।

जंग न होने देंगे

हथियारों के ढेरों पर जिनका है डेरा

मुँह में शांति, बगल में बम, धोखे का फेरा

कफ़न बेचने वालों से कह दो चिल्लाकर

दुनिया जान गई है उनका असली चेहरा

कामयाब हो उनकी चालें, ढंग न होने देंगे।

जंग न होने देंगे

हमें चाहिए शांति, ज़िंदगी हमको प्यारी

हमें चाहिए शांति, सृजन की है तैयारी

हमने छेड़ी जंग भूख से, बीमारी से

आगे आकर हाथ बटाए दुनिया सारी।

हरी-भरी धरती को खूनी रंग न लेने देंगे।

जंग न होने देंगे।

क. पद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए। 1

ख. ‘एटम में नागासाकी फिर नहीं जलेगी’-भाव स्पष्ट कीजिए। 1

ग. विश्व शांति के लिए क्या आवश्यक है? 1

घ. कफ़न बेचने वालों के दो अन्य काम क्या हैं? 2

ङ. ‘जंग’ का पर्यायवाची लिखिए। 1

अथवा

कैदी हमें बना क्यों रखा,

हमने क्या अपराध किया है?

अरे मनुज, तुम हमें बताओ,

हमने कौन बिगाड़ किया है?

हम निश्चित उड़ा करती हैं,

कैदी नहीं बनाओ तुम।

खाने की परवाह न हमको,

दाने नहीं दिखाओ तुम॥

हमें सुहाता नीङ़ घास का,

नहीं हमें लोहे का डर।

तुम्हें प्रकृति से डर होता है,  
नहीं हमें है उसका डर॥  
पेड़ों की ही हरी डाल पर,  
हमें फुदकना आता है।  
और उसी पर गाते-गाते,  
जीवन-रस मिल जाता है॥

क.	मनुष्य ने चिड़िया को क्या बना रखा है?	1
ख.	चिड़िया मनुज से क्या कहती है?	1
ग.	चिड़िया किसकी परवाह नहीं करती?	1
घ.	चिड़िया को क्या सुहाता है और उसे किसका डर नहीं है?	2
ड.	गाते-गाते चिड़िया को क्या मिल जाता है?	1

### खंड 'ख'

प्रश्न-3क	निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:- (कोई दो ) अर्जुन, ज्ञानी, एवरेस्ट	2
ख.	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए:- (कोई दो ) चम्पा, जड़गल, पेन्दी।	1
ग.	निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त स्थानों पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए:- (कोई दो ) बासुरी, साप, दात।	1
घ.	निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए:- (कोई दो ) काबिल, वकील, शराफत।	1
प्रश्न-4क	उपसर्ग लगाकर शब्द बनाइए:- (कोई एक) ना, कु	1
ख.	निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग-अलग करके लिखिए:- (कोई दो ) बुराई, होनहार, डरावना।	2
प्रश्न-5क	निम्नलिखित में संधि-विच्छेद कीजिए:- (कोई दो ) मुनीश्वर, तथैव, महाशय।	2
ख.	किन्हीं दो की संधि कीजिए:- सु+आगत, पो+अन, सत्य+आग्रह।	2
प्रश्न-6	निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम चिह्न लगाइए:- (कोई तीन) i. काश मैं उसे देख पाता ii. मेरा भाई ऐसे पास है iii. महाभारत महारथि वेदव्यास की अमर रचना है iv. वह भागता रहा लोग उसका पीछा करते रहे	3

## खंड 'ग'

प्रश्न-7	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-	
क.	अतिथि कब देवता और कब राक्षस बन जाता है? 'तुम कब जाओगे अतिथि' पाठ के आधार पर लिखिए।	2
ख.	'जैसे वायु की लहरें कटी हुई पतंग को सहसा भूमि पर नहीं गिर जाने देतीं, उसी तरह खास परिस्थितियों में हमारी पोशाक हमें झुक सकने से रोके रहती है' - आशय स्पष्ट कीजिए।	2
ग.	कर्नल खुल्लर ने पर्वत शिखर छूने पर बचेंद्री का किस प्रकार स्वागत किया?	1

प्रश्न-8	'दुःख का अधिकार' पाठ का लेखक बुढ़िया के रोने का कारण क्यों नहीं जान पा रहा था? यदि आप लेखक की जगह होते तो क्या करते?	
	अथवा	5

'एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा' पाठ के आधार पर बचेंद्रीपाल के चरित्र की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

प्रश्न-9	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-	
क	'सुनि अठिलैहैं लोग सब, बाँटि न लैहैं कोय' का आशय स्पष्ट कीजिए।	2
ख.	आदमी का आचरण कैसा होना चाहिए? आदमीनामा कविता के आधार पर लिखिए।	2
ग.	रैदास भक्त को राम-नाम की रट क्यों नहीं भूलती?	1

प्रश्न-10	'आदमीनामा' कविता के आधार पर आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।	
	अथवा	5

भक्त कवि रैदास की भक्ति की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

प्रश्न-11	निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:-	
क	सोनजुही में लगी पीली कली को देखकर लेखिका के मन में कौन-से विचार उमझने लगे?	3
ख.	लेखक ने कुएँ से चिट्ठियाँ निकालने का निर्णय क्यों लिया?	3

प्रश्न-12	निम्नलिखित में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए:-	
क.	चिट्ठियों के कुएँ में गिरते ही लेखक पर बिजली-सी क्यों गिर पड़ी?	2
ख.	भूख लगने पर गिल्लू किस तरह संकेत देता था? उसे भोजन कैसे मिलता था?	2

## खंड 'घ'

प्रश्न-13	बढ़ते हुए प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने मित्र/अपनी सखी को पत्र लिखिए।	
	अथवा	5

बड़ी बहन की ओर से छोटी बहन को पत्र लिखकर समझाइए कि वह फैशन के चक्कर में न पड़कर पढ़ाई में ध्यान दे।

प्रश्न-14 किसी नामी कंपनी की मच्छरों को दूर करने की दवा का अथवा 5 शुद्ध पानी के यंत्र का एक विज्ञापन बनाइए।

प्रश्न-15 विद्यार्थियों की पढ़ाई के प्रति बढ़ती लापरवाही को लेकर दो 5 अध्यापकों की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

### अथवा

दो बच्चों की फुटबॉल मैच पर बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न-16 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर दिए गए संकेत 5 बिंदुओं के आधार पर 100-125 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए:-

#### क. समय का महत्व

- समय निरंजर गतिमान
- समय का उचित प्रयोग
- समय किसी की प्रतीक्षा नहीं करता
- समय का सदुपयोग सफलता की कुंजी

#### ख. जीवन में आवश्यक है आत्मनिर्भरता

- आत्मनिर्भरता का अर्थ
- स्वतंत्रता
- देश में आत्मनिर्भरता
- विकास में सहायक।

#### ग. प्लास्टिक की दुनिया

- कृत्रिम पदार्थ
- प्लास्टिक के गुण
- प्लास्टिक के दोष
- जीवन पर प्रभाव

प्रश्न-17 नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए। 5



शैक्षिक सत्र 2018-19

वार्षिक परीक्षा

विषय - हिंदी

M/4/1

समय: तीन घंटे

अधिकतम अंक: 80

- ☛ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में मुद्रित पृष्ठ 6 हैं।
- ☛ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 18 प्रश्न हैं।
- ☛ इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

निर्देश: 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।  
 2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

### खंड 'क'

प्रश्न-1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

पहले हमारे देश के जन-मानस में यह भाव विद्यमान था कि दान तथा त्याग का प्रभु उत्तम फल देता है तथा भविष्य भी उज्ज्चल बनता है। परंतु आज का मानव भविष्य की तनिक भी चिंता न करके मात्र वर्तमान पर ही दृष्टि केंद्रित किए हुए हैं। येन-केन-प्रकारेण वर्तमान जीवन को सुखमय बना लिया जाए आगे की क्या सोचना। ये भावना नैतिकता का छास करने वाली है। रावण, कंस, हिटलर तथा मुसोलिनी अत्याचार के बल पर कितना सफल हो सके ये बात सबके सामने प्रत्यक्ष है। थोड़े समय के लिए इन्होंने अत्याचार करके भले ही संतोष कर लिया हो लेकिन अंत में उनका जीवन नारकीय बना। धर्म और नैतिकता एक सिक्के के दो पहलू हैं। यदि धर्म नैतिकता का आश्रय ग्रहण नहीं करता है तो उसे हम यर्थात् धर्म की संज्ञा से विभूषित नहीं कर सकते हैं। सामाजिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए हमारे देश में सदैव से धर्म का आश्रय ग्रहण किया जाता रहा है। भारतवर्ष ने धर्म को सदा से अपने जीवन में प्रमुख स्थान दिया है। हमारी धर्म से ओत-प्रोत संस्कृति पर सदैव से भारत को गर्व तथा गौरव रहा है। हमारे देश का धर्म 'सर्वजन हिताय' की भावना से ओत-प्रोत रहा है। यहाँ का मानव स्वयं के लिए नहीं अपितु सदा से

दूसरों के हित के लिए जीने का अभ्यस्त रहा है। यहाँ सबके सुखी जीवन तथा कल्याण की भावना का नारा बुलंद रहा है।

क.	आज का मानव कैसा है?	2
ख.	रावण, कंस, हिंटलर तथा मुसोलिनी के साथ क्या हुआ था?	2
ग.	भारतवर्ष ने अपने जीवन में किसे प्रमुख स्थान दिया है?	1
घ.	हमारे देश के धर्म की भावना कैसी रही है?	2
ड.	सुखमय सामाजिक जीवन के लिए हमारे देश में क्या किया जाता रहा है?	1
च.	‘सर्वजन हिताय’ का अर्थ स्पष्ट करें।	1

प्रश्न-2. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,  
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।  
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,  
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप-त्याग ॥।  
तेजस्वी सम्पान खोजते नहीं गोब्र बतला के,  
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के।  
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,  
वीर खींचकर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ॥।  
जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी,  
उसका पलना हुआ धार पर बहती हुई पिटारी ।

क.	तेजस्वी पुरुष क्या करते हैं?	2
ख.	कवि के अनुसार श्रेष्ठ ज्ञानी और पूज्य कौन है?	2
ग.	इतिहास में लीक कौन खींचता है?	1
घ.	उपर्युक्त पद्यांश का कोई उचित शीर्षक दीजिए।	1

### ‘खंड-ख’

प्रश्न-3.क	किन्हीं दो शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:- व्यर्थ, पितृत्व, पत्रिका ।	1
ख.	निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग कीजिए:- उदारता, पुष्पित ।	1
ग.	निम्नलिखित उपसर्गों से एक-एक शब्द बनाइए:- दुर्, सु	1

प्रश्न-4 क	निम्नलिखित में से किसी एक का संधि-विच्छेद कीजिए:- स्वागत, जगदीश।	1
ख.	किन्हीं दो की संधि कीजिए:- महा+उपदेश, उत्+चारण, नौ+इक।	1
प्रश्न-5 क	निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और भेद बताइए:- आजीवन, नीलकमल, शताब्दी।	2
ख.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समस्तपद बनाइए और भेद बताइए:- रात और दिन, रोग से मुक्त	1
प्रश्न-6क	रेखांकित पदों के भेद लिखिए:-	1
i	कुछ खा लो।	
ii	माता जी <u>भीतर</u> हैं।	
ख.	निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: i मैं बीमार था इसलिए विद्यालय नहीं जा पाया। ( मिश्रित वाक्य) ii जब सूर्योदय हुआ तो पक्षी चहकने लगे। ( सरल वाक्य) iii उसने बाज़ार जाकर फल खरीदे। ( संयुक्त वाक्य)	3
प्रश्न-7.	निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम चिह्न लगाइए:- क. राम ने कहा तो था किंतु मैं भूल गया ख. गाँधी जी ने कहा अहिंसा के बल पर ही हमें आज़ादी मिल सकती है।	1
प्रश्न-8.	निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:- क. उसने गले में एक फूलों की माला डाल दी। ख. वह छत पर से गिर गया।	2
‘खंड-ग’		
प्रश्न-9.	नदी के किनारे अंकित पदचिह्न और सींगों के चिह्नों से मानो महिषकुल के भारतीय युद्ध का पूरा इतिहास ही इस कर्दम लेख में लिखा हो ऐसा भास होता है। ‘कीचड़ का काव्य’ पाठ के आधार पर इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।	5
अथवा		
‘शुक्र तारे के समान’ पाठ के आधार पर बताइए कि महादेव जी के		

किन गुणों ने उन्हें सबका लाड़ला बना दिया था?

प्रश्न-10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- क. ‘तुम कब जाओगे, अतिथि’ पाठ के आधार पर बताइए कि पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया? 2
- ख. ‘दुख का अधिकार’ पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक उस स्त्री के रोने का कारण क्यों नहीं जान पाया? 2
- ग. ‘धर्म की आड़’ पाठ के आधार पर बताइए कि कौन से लोग धार्मिक लोगों से अधिक अच्छे हैं? 1

प्रश्न-11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

- क. ‘रहीम’ ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है? 1
- ख. ‘एक फूल की चाह’ कविता के आधार पर बताइए कि जेल से छूटने के बाद सुखिया के पिता ने अपनी बच्ची को किस रूप में पाया? 2
- ग. ‘आदमीनामा’ कविता के आधार पर बताइए कि आप मनुष्य की किस परिस्थिति से प्रभावित हुए और क्यों? 2

प्रश्न-12. ‘खुशबू रचते हैं हाथ’ कविता में ‘वसंत का गया पतझड़’ और ‘बैसाख का गया भादों को लौटा’ से क्या अभिप्राय है।

### अथवा

‘अग्नि पथ’ कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए? 5

प्रश्न-13. “यह धर्म यात्रा है। चलकर पूरी करूँगा।” गाँधीजी के इस कथन द्वारा उनके किस चारित्रिक गुणों का परिचय प्राप्त होता है? ‘दीये जल उठे’ पाठ के आधार पर बताइए।

### अथवा

‘पिटने का भय और ज़िम्मेदारी की दुधारी तलवार उनके कलेजे पर फिर रही थी’- ‘स्मृति’ पाठ के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। 5

### ‘खंड-घ’

प्रश्न-14. डॉक्टर और मरीज़ की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

अथवा

5

विवके और टैक्सीवाले की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न-15. एक घड़ी खरीद देने का आग्रह करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए। 5

अथवा

स्वच्छता के महत्व को समझाते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए।

प्रश्न-16. ‘जनकल्याण पार्टी’ का या ‘चेतक मोटरसाइकिल’ का एक विज्ञापन 5 बनाइए।

प्रश्न-17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 5 अनुच्छेद लिखिए:-

#### भारतीय किसानों की समस्याएँ

- अन्नदाता किसान
- लागत एवं उपज में असंतुलन
- ऋण का बोझ
- उपाय

#### भारत की चुनाव प्रणाली

- विभिन्न चुनाव प्रणालियों का परिचय
- हमारी चुनाव प्रणाली की विशेषताएँ तथा कमियाँ
- विश्वसनीयता बढ़ाने के उपाय

प्रश्न-18. नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए। 5



शैक्षिक सत्र 2018-19

वार्षिक परीक्षा

विषय - हिंदी

M/4/2

समय: तीन घंटे

अधिकतम अंक: 80

- ☞ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में मुद्रित पृष्ठ 6 हैं।
- ☞ कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्नपत्र में 18 प्रश्न हैं।
- ☞ इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**निर्देश:** 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।  
 2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

### खंड ‘क’

प्रश्न-1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

पहले हमारे देश के जन-मानस में यह भाव विद्यमान था कि दान तथा त्याग का प्रभु उत्तम फल देता है तथा भविष्य भी उज्ज्चल बनता है। परंतु आज का मानव भविष्य की तनिक भी चिंता न करके मात्र वर्तमान पर ही दृष्टि केंद्रित किए हुए हैं। येन-केन-प्रकारेण वर्तमान जीवन को सुखमय बना लिया जाए आगे की क्या सोचना। ये भावना नैतिकता का छास करने वाली है। रावण, कंस, हिटलर तथा मुसोलिनी अत्याचार के बल पर कितना सफल हो सके ये बात सबके सामने प्रत्यक्ष है। थोड़े समय के लिए इन्होंने अत्याचार करके भले ही संतोष कर लिया हो लेकिन अंत में उनका जीवन नारकीय बना। धर्म और नैतिकता एक सिक्के के दो पहलू हैं। यदि धर्म नैतिकता का आश्रय ग्रहण नहीं करता है तो उसे हम यर्थात् धर्म की संज्ञा से विभूषित नहीं कर सकते हैं। सामाजिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए हमारे देश में सदैव से धर्म का आश्रय ग्रहण किया जाता रहा है। भारतवर्ष ने धर्म को सदा से अपने जीवन में प्रमुख स्थान दिया है। हमारी धर्म से ओत-प्रोत संस्कृति पर सदैव से भारत को गर्व तथा गौरव रहा है। हमारे देश का धर्म ‘सर्वजन हिताय’ की भावना से ओत-प्रोत रहा है। यहाँ का मानव स्वयं के लिए नहीं अपितु सदा से

दूसरों के हित के लिए जीने का अभ्यस्त रहा है। यहाँ सबके सुखी जीवन तथा कल्याण की भावना का नारा बुलंद रहा है।

क.	किस प्रकार की भावना नैतिकता का छास करती हैं?	2
ख.	किस प्रकार के धर्म का यथार्थ धर्म नहीं माना जा सकता?	2
ग.	सुखमय सामाजिक जीवन के लिए हमारे देश में क्या किया जाता रहा है?	1
घ.	हमारे देश के धर्म की भावना कैसी रही है?	2
ड.	‘सर्वजन हिताय’ का अर्थ स्पष्ट करें।	1
च.	भारतवर्ष ने अपने जीवन में किसे प्रमुख स्थान दिया है?	1

प्रश्न-2. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,  
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।  
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,  
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप-त्याग ॥।  
तेजस्वी सम्पान खोजते नहीं गोब्र बतला के,  
पाते हैं जग में प्रशस्ति अपना करतब दिखला के।  
हीन मूल की ओर देख जग गलत कहे या ठीक,  
वीर खींचकर ही रहते हैं इतिहासों में लीक ॥।

जिसके पिता सूर्य थे, माता कुंती सती कुमारी,  
उसका पलना हुआ धार पर बहती हुई पिटारी ।

क.	कवि के अनुसार श्रेष्ठ ज्ञानी और पूज्य कौन है?	2
ख.	तेजस्वी पुरुष क्या करते हैं?	2
ग.	इतिहास में लीक कौन खींचता है?	1
घ.	उपर्युक्त पद्यांश का कोई उचित शीर्षक दीजिए।	1

### ‘खंड-ख’

प्रश्न-3.क	किन्हीं दो शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए:- सर्वथा, मातृत्व, सत्रीय ।	1
ख.	निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग कीजिए:- महानता, अंकुरित ।	1
ग.	निम्नलिखित उपसर्गों से एक-एक शब्द बनाइए:- निर्, कु	1

प्रश्न-4 क	निम्नलिखित में से किसी एक का संधि-विच्छेद कीजिए:- उपर्युक्त, दिगंबर।	1
ख.	किन्हीं दो की संधि कीजिए:- हित+उपदेश, वाक्+ईश, पो+इत्र।	1
प्रश्न-5 क	निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और भेद बताइए:- आजन्म, कमलनयन, अठन्नी।	2
ख.	निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समस्तपद बनाइए और भेद बताइए:- सत्य और असत्य, जन्मांध,	1
प्रश्न-6.	रेखांकित पदों के भेद लिखिए:-	1
क.	वह चला गया।	
ख.	श्यामा <u>अच्छी</u> लड़की है।	
ख.	निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: i सिया देर से आई इसलिए वह नाटक नहीं देख पाई। ( मिश्रित वाक्य) ii हवा चली और पत्ते हिलने लगे। (सरल वाक्य) iii जब वह जीत गया तो उसे इनाम मिला। ( संयुक्त वाक्य)	3
प्रश्न-7.	निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम चिह्न लगाइए:- क. तीन दिन बीत गए परंतु दर्द में कमी नहीं हुई ख. माँ ने कहा था सदा सत्य बोलो।	1
प्रश्न-8.	निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:-	2
क.	वह एक कपड़ों का व्यापारी है।	
ख.	श्याम ने पत्र को पढ़ा।	

‘खंड-ग’

प्रश्न-9. ‘शुक तारे के समान’ पाठ के आधार पर बताइए कि महादेव भाई की अकाल मृत्यु के क्या कारण थे?

अथवा

‘कीचड़ का काव्य’ पाठ के आधार पर बताइए कि कवियों की धारणा को लेखक ने युक्तिशूल्य क्यों कहा है?

- प्रश्न-10.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-
- क. ‘एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा’ पाठ के आधार पर बताइए कि लोपसांग 2 ने तंबू का रास्ता कैसे साफ़ किया?
  - ख. ‘दुख का अधिकार’ पाठ के आधार पर बताइए कि बुढ़िया को कोई 2 उधार क्यों नहीं देता?
  - ग. ‘धर्म की आड़’ पाठ के आधार पर बताइए कि कौन-सा कार्य देश की 1 स्वाधीनता के विरुद्ध माना जाएगा?

- प्रश्न-11.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-
- क. ‘रैदास’ ने दूसरे पद में ‘गरीब नवाजु’ किसे कहा है? 1
  - ख. ‘एक पूल की चाह’ कविता के आधार पर बताइए कि सुखिया के पिता पर कौन-सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया? 2
  - ग. जलहीन कमल की रक्षा सूर्य भी क्यों नहीं कर पाता? ‘रहीम के दोहे’ 2 के आधार पर बताइए।

- प्रश्न-12.** ‘अग्नि पथ’ कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए?

#### अथवा

5

‘खुशबू रचते हैं हाथ’ कविता में ‘वसंत का गया पतझड़’ और ‘बैसाख का गया भाद्रों को लौटा’ से क्या अभिप्राय है।

- प्रश्न-13.** ‘दीये जल उठे’ पाठ के आधार पर बताइए कि महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था? अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

#### अथवा

5

‘हामिद खाँ’ पाठ के अनुसार ईमानदारी और प्रेम मानवीय रिश्तों को कैसे प्रभावित करते हैं?

#### ‘खंड-घ’

- प्रश्न-14.** विवेक और टैक्सीवाले की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

#### अथवा

5

डॉक्टर और मरीज़ की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न-15. स्वच्छता के महत्त्व को समझाते हुए अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए। 5

### अथवा

एक घड़ी खरीद देने का आग्रह करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

प्रश्न-16. ‘जनकल्याण पार्टी’ का या ‘चेतक मोटरसाइकिल’ का एक विज्ञापन 5 बनाइए।

प्रश्न-17. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 5 अनुच्छेद लिखिए:-

### हमारा गाँव

- आज के गाँव का स्वरूप
- गाँव में शिक्षा की स्थिति
- शहरों में पलायन के कारण तथा निदान

### नारी का बदलता स्वरूप

- घर-परिवार में नारी की भूमिका (अतीत एवं वर्तमान)
- शिक्षा के प्रसार का प्रभाव
- रुद्धिवादिता से मुक्ति
- समाज के लिए योगदान

प्रश्न-18. नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए। 5



M/4/2 का पृष्ठ 6

शैक्षिक सत्र: 2019-20

वार्षिक परीक्षा

विषय - हिंदी

M/4/1

समय: तीन घंटे

अधिकतम अंक: 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में मुद्रित पृष्ठ 5 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 17 प्रश्न हैं।
- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**निर्देश:** 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।  
 2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

### 'खंड- क'

प्रश्न-1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

जब पुरातन जीव-जंतुओं तथा नगरों के अवशेष खोदकर बाहर निकाले जाते हैं तो हमें प्राचीन इतिहास की विशेष जानकारी मिलने लगती है और भूतकाल के विषय में हमारा ज्ञान भी प्रत्यक्ष रूप में बढ़ जाता है। बहुत पहले विश्वभर में जो जीव-जंतु विचरण किया करते थे, उनमें से कुछ अब पूर्ण रूप से समाप्त हो चुके हैं। किंतु कभी-कभी अन्येषी वैज्ञानिकों द्वारा उन प्राणियों की अस्थियाँ पृथ्वी पर खोज ली जाती हैं। इन अस्थियों के आधार पर वह उस जीव-जंतु विशेष का ढाँचा पुनःनिर्मित करने में सफल होते हैं और इस ढाँचे द्वारा वह उसके आकार-प्रकार का बहुत कुछ सही-सही अनुमान लगा सकते हैं। उन प्राणियों में एकाधिक प्रकार के डायनोसॉर्स थे जिनकी अस्थियाँ यूरोप तथा अमेरिका दोनों स्थानों पर प्राप्त हुई हैं। उनमें से कुछ तो चार पैरों पर चलते थे, किंतु कुछ अन्य अंशतः खड़े होकर पक्षी की भाँति अपने पिछले पैरों पर चलते थे। किंतु आकार-प्रकार में उनकी तुलना एक पक्षी से नहीं की जा सकती थी। डायनोसॉर्स उन पशुओं में सबसे बड़े थे जो कभी इस पृथ्वी की सतह पर चलते-फिरते थे।

क.	किस प्रकार के प्राणियों की तुलना पक्षी से नहीं की जा सकती है?	2
ख.	भूतकाल के बारे में हमारा ज्ञान कब बढ़ जाता है?	2
ग.	किस प्रकार के प्राणियों की अस्थियाँ यूरोप तथा अमेरिका में प्राप्त हुई हैं?	1
घ.	विलुप्त प्राणियों के सही आकार-प्रकार का सही अनुमान किस प्रकार लगाया जाता है?	2

- ड. डायनोसॉर्स पृथ्वी के अन्य चलने-फिरने वाले पशुओं से किस प्रकार 1  
अलग थे?  
च. 'पुरातन' एवं 'प्रत्यक्ष' का विलोम शब्द लिखें। 2

**'खंड-ख'**

- प्रश्न-2क. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग 2  
कीजिए:-  
शिष्या, पाँचवाँ।
- ख. किसी एक उपसर्ग से दो शब्द बनाइए:- 1  
अभि, दुर्।
- प्रश्न-3 क संधि-विच्छेद कीजिए:- (कोई एक) 1  
महेश, उच्चारण।
- ख. संधि कीजिए:- (कोई एक) 1  
लोक+उक्ति, गै+अक।
- प्रश्न-4 क निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और भेद 2  
बताइए:-  
घुड़सवार, मृगनयनी, बेमतलाब।
- ख. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समस्तपद बनाइए और भेद बताइए:- 2  
रोग से मुक्त, तीन लोकों का समाहार, धर्म और अर्थर्म।
- प्रश्न-5क निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए: 3  
 i. अतिथि आए और कार्यक्रम शुरू हुआ। (सरल वाक्य)  
 ii. प्रातःकाल होते ही चिड़ियाँ चहचहाने लगती हैं। (संयुक्त वाक्य)  
 iii. परिश्रमी विद्यार्थी उन्नति करते हैं। (मिश्रित वाक्य)
- प्रश्न-6. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम चिह्न लगाइए:- 2  
 क. नहीं तुमने ऐसा तो कभी नहीं कहा  
 ख. भाइयों और बहनों क्या आप तैयार हैं
- प्रश्न-7. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:- 2  
 क. सच में क्या तुम्हें प्रथम स्थान मिला है?  
 ख. मैंने उस घने जंगल में अनेक पशु और पक्षी उड़ते और चरते देखे।

**'खंड-ग'**

- प्रश्न-8. 'तुम्हारे मानने ही से मेरा ईश्वरत्व कायम नहीं रहेगा, दया करके, मनुष्यत्व को मानो, पशु बनना छोड़ो और आदमी बनो।' 'धर्म की

आड़’ पाठ के आधार पर प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए तथा धर्म और ईमान के नाम पर किए जाने वाले भीषण व्यापार को रोकने हेतु अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

5

‘कीचड़ का काव्य’ पाठ के आधार पर बताइए कि सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है तथा कवियों की धारणा को लेखक ने युक्तिशूल्य क्यों कहा है?

**प्रश्न-9.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- क. ‘शुक्र तारे के समान’ पाठ के आधार पर बताइए कि महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाडला बना दिया था? 2
- ख. ‘तुम कब जाओगे, अतिथि’ पाठ के आधार पर बताइए कि सत्कार की ऊप्सा समाप्त होने पर क्या हुआ? 2
- ग. ‘दुख का अधिकार’ पाठ के आधार पर बताइए कि उस स्त्री के लड़के की मृत्यु का क्या कारण था? 2

**प्रश्न-10.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

- क. ‘रहीम जी’ के अनुसार हमें अपना दुख दुसरों पर क्यों नहीं प्रकट करना चाहिए? अपने मन की व्यथा दुसरों से कहने पर उनका व्यवहार कैसा हो जाता है? 2
- ख. ‘नए इलाके में’ कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख किया गया है? 2
- ग. ‘जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढैरै’- ‘रैदास के पद’ की प्रस्तुत पंक्ति का क्या अभिप्राय है? 2

**प्रश्न-11.** ‘खुशबू रचते हैं हाथ’ कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

अथवा

5

‘अग्नि पथ’ कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए?

**प्रश्न-12.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (कोई दो) 3×2

- क. ‘दीये जल उठे’ पाठ के आधार पर महिसागर नदी के दोनों किनारों पर कैसा दृश्य उपस्थित था, अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।
- ख. ‘काश मैं आपके मुल्क मैं आकर अपनी ओँग्खें से यह देख सकता’- हामिद खाँ ने ऐसा क्यों कहा?
- ग. मक्खन पुर पढ़ने जाने वाली बच्चों की टोली रास्ते में पड़ने वाले कुँए में ढेला क्यों फेंकती थी?

**‘खंड-घ’**

प्रश्न-13. ‘चाय पर चर्चा’ के अंतर्गत प्रधानमंत्री और छात्रों के संवाद को 50-60 शब्दों में लिखिए।

अथवा

5

गली में बढ़ते लाउडस्पीकर के शोर पर दो पड़ोसियों की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

प्रश्न-14. विद्यालय द्वारा आयोजित ‘देहरादून’ भ्रमण पर जाने की अनुमति का अग्रह करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

अथवा

5

परीक्षा में अनुत्तीर्ण (फेल) अपने मित्र को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

प्रश्न-15. ‘हेल्थ कैंप’ के आयोजन का या ‘कोचिंग सेंटर’ का एक विज्ञापन 5 बनाइए।

प्रश्न-16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 6 अनुच्छेद लिखिए:-

**क. लड़का-लड़की एक समान**

- समाज का दृष्टिकोण
- समाज पर प्रभाव
- नारी शिक्षा
- नारी की उन्नति देश की उन्नति

**ख. राष्ट्रभाषा हिंदी**

- राष्ट्रभाषा से अभिप्राय
- राष्ट्रभाषा की आवश्यकता
- भाषा और संस्कृति
- हिंदी का महत्व

प्रश्न-17. नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए।

5



शैक्षिक सत्र: 2019-20

वार्षिक परीक्षा

विषय - हिंदी

M/4/2

समय: तीन घंटे

अधिकतम अंक: 80

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में मुद्रित पृष्ठ 5 हैं।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न पत्र में 18 प्रश्न हैं।
- इस प्रश्न पत्र में चार खंड हैं। चारों खंडों के उत्तर देना अनिवार्य है।

**निर्देश:** 1. भाषा की शुद्धता, स्वच्छता एवं मानकता पर विशेष ध्यान दीजिए।  
 2. सभी प्रश्नों व उनके उपभागों को क्रमशः लिखिए।

### 'खंड- क'

प्रश्न-1. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखिए:-

जब पुरातन जीव-जंतुओं तथा नगरों के अवशेष खोदकर बाहर निकाले जाते हैं तो हमें प्राचीन इतिहास की विशेष जानकारी मिलने लगती है और भूतकाल के विषय में हमारा ज्ञान भी प्रत्यक्ष रूप में बढ़ जाता है। बहुत पहले विश्वभर में जो जीव-जंतु विचरण किया करते थे, उनमें से कुछ अब पूर्ण रूप से समाप्त हो चुके हैं। किंतु कभी-कभी अन्येषी वैज्ञानिकों द्वारा उन प्राणियों की अस्थियाँ पृथ्वी पर खोज ली जाती हैं। इन अस्थियों के आधार पर वह उस जीव-जंतु विशेष का ढाँचा पुनःनिर्मित करने में सफल होते हैं और इस ढाँचे द्वारा वह उसके आकार-प्रकार का बहुत कुछ सही-सही अनुमान लगा सकते हैं। उन प्राणियों में एकाधिक प्रकार के डायनोसॉर्स थे जिनकी अस्थियाँ यूरोप तथा अमेरिका दोनों स्थानों पर प्राप्त हुई हैं। उनमें से कुछ तो चार पैरों पर चलते थे, किंतु कुछ अन्य अंशतः खड़े होकर पक्षी की भाँति अपने पिछले पैरों पर चलते थे। किंतु आकार-प्रकार में उनकी तुलना एक पक्षी से नहीं की जा सकती थी। डायनोसॉर्स उन पशुओं में सबसे बड़े थे जो कभी इस पृथ्वी की सतह पर चलते-फिरते थे।

- क. किस प्रकार के प्राणियों की अस्थियाँ यूरोप तथा अमेरिका में प्राप्त हुई हैं? 1
- ख. डायनोसॉर्स पृथ्वी के अन्य चलने-फिरने वाले पशुओं से किस प्रकार अलग थे? 1
- ग. विलुप्त प्राणियों के सही आकार-प्रकार का सही अनुमान किस प्रकार लगाया जाता है? 2

- घ. ‘पुरातन’ एवं ‘प्रत्यक्ष’ का विलोम शब्द लिखें। 2  
 झ. किस प्रकार के प्राणियों की तुलना पक्षी से नहीं की जा सकती है? 2  
 च. भूतकाल के बारे में हमारा ज्ञान कब बढ़ जाता है? 2

### ‘खंड-ख’

- प्रश्न-2क. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों और प्रत्ययों को अलग-अलग कीजिए:-  
 आठवाँ, मानवीय। 2
- ख. किसी एक उपसर्ग से दो शब्द बनाइए:-  
 उप, ला। 1
- प्रश्न-3 क संधि-विच्छेद कीजिए:- (कोई एक)  
 उल्लास, गणेश। 1
- ख. संधि कीजिए:- (कोई एक)  
 नै+इका, यथा+इष्ट। 1
- प्रश्न-4 क निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समास-विग्रह कीजिए और भेद बताइए:-  
 मृगलोचन, बेशक, युद्धभूमि। 2
- ख. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का समस्तपद बनाइए और भेद बताइए:-  
 सात दिनों का समाहार, नर और नारी, देश का वासी। 2
- प्रश्न-5क निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन कीजिए:  
 i. जब संकट आ जाए तो घबराना उचित नहीं है। (सरल वाक्य) 3  
 ii. रमेश के आते ही मोहन चला गया। (संयुक्त वाक्य)  
 iii. गार्ड ने हरी झंडी दिखाई और गाड़ी चल पड़ी। (मिश्रित वाक्य)
- प्रश्न-6. निम्नलिखित वाक्यों में उचित स्थानों पर सही विराम चिह्न लगाइए:- 2  
 क. देवियों और सज्जनों क्या आप मेरी बातों से सहमत हैं  
 ख. राम ने कहा तो था किंतु मैं भूल गया
- प्रश्न-7. अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए:- 2  
 क. मैंने उस घने जंगल में अनेक पशु और पक्षी उड़ते और चरते देखे।  
 ख. सच में क्या तुम्हें प्रथम स्थान मिला है?

### ‘खंड-ग’

- प्रश्न-8. ‘कीचड़ का काव्य’ पाठ के आधार पर बताइए कि सूखे हुए कीचड़ का सौंदर्य किन स्थानों पर दिखाई देता है तथा कवियों की धारणा को

लेखक ने युक्तिशूल्य क्यों कहा है?

**अथवा**

5

‘तुम्हारे मानने ही से मेरा ईश्वरत्व कायम नहीं रहेगा, दया करके, मनुष्यत्व को मानो, पशु बनना छोड़ो और आदमी बनो।’ ‘धर्म की आड़’ पाठ के आधार पर प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए तथा धर्म और ईमान के नाम पर किए जाने वाले भीषण व्यापार को रोकने हेतु अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

**प्रश्न-9.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

- क. ‘इस पेशे में आमतौर पर स्याह को सफेद और सफेद को स्याह करना होता है।’ ‘शुक्र तारे के समान’ पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने ऐसा क्यों कहा है? 2
- ख. ‘तुम कब जाओगे, अतिथि’ पाठ के आधार पर बताइए कि जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए? 2
- ग. ‘एवरेस्टः मेरी शिखर यात्रा’ पाठ के आधार पर बताइए कि हिमपात 2 किस तरह होते हैं और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

**प्रश्न-10.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दीजिए:-

- क. ‘एक फूल की चाह’ कविता में बीमार बच्ची ने क्या इच्छा प्रकट की थी? 2
- ख. ‘नए इलाके में’ कविता में कौन-कौन से पुराने निशानों का उल्लेख 2 किया गया है?
- ग. ‘जाकी छोति जगत कउ लागै ता पर तुहीं ढरै’- ‘रैदास के पद’ की 2 प्रस्तुत पंक्ति का क्या अभिप्राय है?

**प्रश्न-11.** ‘अग्नि पथ’ कविता का केंद्रीय भाव स्पष्ट कीजिए?

**अथवा**

5

‘खुशबू रचते हैं हाथ’ कविता में कवि ने शहरों की किस विडंबना की ओर संकेत किया है?

**प्रश्न-12.** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (कोई दो)

- क. किस कारण से प्रेरित हो स्थानीय कलेक्टर ने पटेल की गिरफ़तारी का 3×2 आदेश दिया था?
- ख. गिल्लू की किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है?
- ग. ‘स्मृति’ पाठ द्वारा किन-किन बाल-सुलभ शरारतों के विषय में पता चलता है?

**‘खंड-घ’**

प्रश्न-13. गली में लाउडस्पीकर के बढ़ते शोर पर दो पड़ोसियों की बातचीत को 50-60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

अथवा

5

‘चाय पर चर्चा’ के अंतर्गत प्रधानमंत्री और छात्रों के संवाद को 50-60 शब्दों में लिखिए।

प्रश्न-14. परीक्षा में अनुत्तीर्ण (फ़ेल) अपने मित्र को सांत्वना देते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

5

विद्यालय द्वारा आयोजित ‘देहरादून’ भ्रमण पर जाने की अनुमति का आग्रह करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

प्रश्न-15. ‘हेल्थ कैंप’ के आयोजन का या ‘कोचिंग सेंटर’ का एक विज्ञापन 5 बनाइए।

प्रश्न-16. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 80-100 शब्दों में 6 अनुच्छेद लिखिए:-

क. दहेज़: एक अभिशाप

- दहेज प्रथा का आर्थिक स्वरूप
- वर्तमान समय में दहेज प्रथा
- दहेज प्रथा का दुष्प्रभाव
- दहेज प्रथा को समाप्त करने के उपाय

ख. विज्ञापनों की दुनिया

- विज्ञापन का उद्देश्य
- वर्तमान युग में विज्ञापन का महत्त्व
- विज्ञापन से लाभ
- विज्ञापन से हानि

प्रश्न-17. नीचे दिए गए चित्र का वर्णन लगभग चालीस शब्दों में कीजिए।

5

